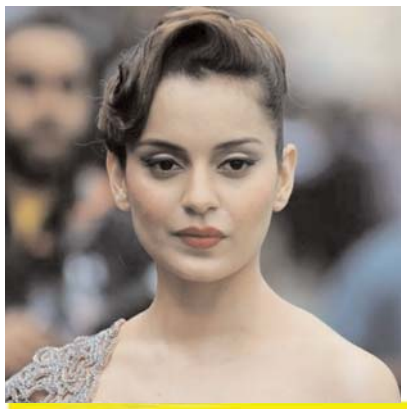

दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 325 | ग्वालियर, सोमवार 04 जनवरी 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

न्यूज ट्रैक

गाजियाबाद हादसाः इंसानी दिमाग ने काम करना बंद किया तो खोजी कुत्तों ने ढूंढ निकाले शव

मुरादनगर। एक तो श्मशान, दूसरे मलबे में दबे लोगों को लेकर चहुं ओर चींखपुकार। इस करुण क्रंदन के बीच राहत कार्य में जुटे एनडीआरएफ कर्मियों का भी दिमाग घूम गया। उनके लिए एक एक पल भारी हो रहा था। सबसे बड़ी चुनौती जल्द से जल्द मलबे में दबे लोगों को निकालकर अस्पताल पहुंचाना था। यह कार्य मैन्युअल तरीके से संभव नहीं था। हालात को देखते हुए एनडीआरएफ ने खोजी कुत्ते बुलाए और मैदान में उतार दिया। इन कुत्तों ने महज आधे घंटे में ही 13 लोगों के मलबे में दबे होने का सुराग दे दिया। इतने के बाद भी एनडीआरएफ की टीम को मलबा हटाकर उन्हें बाहर निकालने में समय लग गया। अस्पताल पहुंचाते पहुंचाते इनमें से ज्यादातर की मौत हो गई। लेकिन चार लोगों को बचाने में सफलता भी मिली है। एनडीआरएफ के अधिकारियों के मुताबिक मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए स्नीफर डॉक्स की दो टीमें लगाई गई थी। प्रत्येक टीम में दो दो कुत्ते थे। इन चारों कुत्तों ने अपनी सूंघने की शक्ति का बेहतर इस्तेमाल कर 13 लोगों को ढूंढने में मदद की है।

भीड़ और चीख पुकार से आई दिक्कत–राहत कार्य में जुटे एनडीआरएफ कर्मियों को मौके पर भीड़ और चीख पुकार से काफी दिक्कतें आई। हालांकि पुलिस बार बार लोगों को श्मशान परिसर से बाहर खदेड़ रही थी, लेकिन हजारों की संख्या में उमड़ी भीड़ टस से मस नहीं हुई। आखिर में पुलिस ने घटना स्थल के आसपास फीता लगाकर बैरिकेटिंग कर दिया।

बारिश ने भी किया परेशान–राहत कार्य के दौरान दो बार मूसलाधार बारिश हुई। इससे राहत दल का काम प्रभावित हुआ। बावजूद इसके एनडीआरएफ के जवान अपने काम में लगे रहे। लैंटर के एक एक टुकड़े को सावधानी से उठाकर उसके नीचे इंसानों की तलाश करते रहे। खुद जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कलानिधि नैथानी भी उनका हौंसला अफजाई करते रहे।

अपनों की तलाश में जेसीबी के पंजे पर टिकी निगाहें–जब जब जेसीबी का पंजा मलबा उठाता, सैकड़ों निगाहें पंजे पर टिक जाती। लोग हर बार यही उम्मीद करते कि इस बार शायद उनका कोई अपना मलबे से बाहर आ जाएगा। जो लोग परिसर के अंदर समा नहीं पा रहे थे, वह श्मशान के बाहर बंबा रोड पर संगम विहार कालोनी तक खड़े होकर पल पल की खबर ले रहे थे।

भारत में टीकाकरण का पूरा प्लान तैयार, यहां जानें कब और कैसे लगेगी वैक्सीन

नई दिल्ली। देश को कोरोना की वैक्सीन मिल चुकी है और केंद्र सरकार का टीकाकरण का प्लान तैयार है। केंद्र सरकार ने 30 करोड़ लोगों को टीका लगाने के लक्ष्य के साथ अपने प्लान की पूरी तैयारी कर ली है। बता दें कि नेहरू युवा केंद्र संगठनों के सेवानिवृत्त डॉक्टरों और नर्सों से लेकर होमगार्ड और सिविल डिफेंस कर्मियों और यहां तक कि वॉलिन्टियर्स तक को केंद्र और राज्य सरकारें खोज निकालेंगी जो कोरोनोवायरस बीमारी के खिलाफ दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान के सुचारू कार्यान्वयन के लिए उपलब्ध होंगे।

प्रत्येक टीकाकरण स्थल में होंगे ये इंतजाम–आधिकारिक दिशानिर्देशों के अनुसार, प्रत्येक टीकाकरण स्थल में कम से कम तीन कमरे होंगे और विशिष्ट कर्तव्यों को निभाने के लिए कई कर्मियों की आवश्यकता होगी। टीकाकरण अधिकारी 1 पुलिस, होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा, राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) या नेहरू युवा केंद्र संगठन से होगा। जिसका काम वैक्सीन प्राप्तकर्ता के पंजीकरण की स्थिति की जांच करना और यह सुनिश्चित करना होगा कि टीकाकरण केंद्र में प्रवेश विनियमित है।

30 करोड़ लोगों के टीकाकरण का लक्ष्य–कोविड - 19 के खिलाफ भारत के टीकाकरण अभियान का लक्ष्य है कि जुलाई तक 30 करोड़ लोगों को संक्रमित बीमारी से सुरक्षा प्रदान हो सके, जिसमें स्वास्थ्य देखभाल कर्मी, फ्रंट-लाइन कार्यकर्ता और संक्रमण से ज्यादा जोखिम वाले लोग शामिल हैं। प्रत्येक सत्र में न्यूनतम 100 वैक्सीन प्राप्त करने वाले बड़े सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्य सुविधाओं में इनका टीकाकरण किया जाएगा।

किसानों और सरकार के बीच फिर बैठक

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के तीन कृषि कानूनों को विरोध कर रहे किसानों की आज सरकार के साथ सांतवें दौर की वार्ता होनी है। इससे पहले 30 दिसंबर को हुई बातचीत में सरकार की किसानों के साथ दो मांगों पर सहमित बन गई है जिसमें पहला है कि पराली जलाना जुर्म नहीं होगा और दूसरा- बिजली संशोधन विधेयक 2020। ऐसा समझा जा रहा है कि लंबे समय से बातचीत के जरिए हल निकालने की कड़ी में ये बातचीत अहम साबित हो सकती है। किसानों की दो मुख्य मांगें- तीन नए कृषि कानूनों को खत्म करना और न्यूनतम समर्थन मूल्य (रूक्क) को कानूनी बनाने की मांग जैसे की तैसी बनी हुई हैं। सोमवार को होने वाली वार्ता मौटे तौर पर किसानों की इसी मांग पर टीकी होगी कि सरकार अपने तीनों कृषि कानून निरस्त कर दे। किसान संगठनों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगे पूरी नहीं हुई तो वो 26 जनवरी को मनाने के लिए हजारों किसान अपने ट्रैक्ट्रों के सैथ परेड के लिए राजधानी में आगे बढ़ेंगे।

केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, पीयूष गोयल और सोम प्रकाश सरकार का नेतृत्व करेंगे, जबकि किसान यूनियन के 40 नेता वार्ता में किसानों का प्रतिनिधित्व करेंगे। इससे पहले 30 दिसंबर को किसानों और केंद्र के बीच छठे दौर की वार्ता हुई थी जहां कुछ चीजों लेकर उनकी रजामंदी हुई थी। किसान संगठन के नेताओं और सरकार के बीच बैठक के खत्म होने के बाद नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा, आज की बैठक पहले की तरह बहुत अच्छे वातावरण में हुई। आज की बैठक में किसान संगठनों के नेताओं ने जो चार विषय चर्चा के लिए रखे थे, उसमें दो मुद्दों पर रजामंदी हो गई है। पहला- पराली को लेकर और दूसरा- बिजली कानून। उन्होंने आगे कहा कि कृषि कानूनों और एमएसपी पर कानून को लेकर चर्चा खत्म नहीं हुई है। इसके लिए फिर से चार जनवरी को बैठक होगी। तीन नए कृषि कानूनों को निरस्त करने और न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी की दो प्रमुख मांगों को 4 जनवरी तक टाल दिया गया था। किसान अपनी मांगो को लेकर अडिग हैं। किसान संगठनों तीनों कानून निरस्त करने के लिए दशकों में होने वाली ये सबसे बड़ी हड़ताल की है।

कोरोना वैक्सीन के इस्तेमाल को लेकर मन में भी हैं सवाल?

नई दिल्ली। देश में दो टीकों के आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी भले ही मिल गई हो, लेकिन लोगों के मन में टीकों को लेकर कई सवाल हैं, जिनका जवाब जरूरी है। विशेषज्ञों से बातचीत के आधार पर आइए इन सवालों का जवाब तलाशते हैं।

दो टीके मंजूर हुए हैं, किस व्यक्ति को कौन सा टीका लगेगा, यह कैसे तय होगा?

संभावना यह है कि सरकार राज्यों के हिसाब से अलग-अलग टीके लगाएगी। किसी राज्य में सीरम तो किसी में भारत बायोटेक का टीका लगाने के लिए दिया जा सकता है। इससे दूसरी खुराक लगाने में कोई गड़बड़ी या असुविधा नहीं होगी। हालांकि, कोविन सॉफ्टवेयर में दर्ज होगा कि किस व्यक्ति को कौन सा टीका दिया गया है।

टीके बाजार में कब आएंगे?

माना जा रहा है कि अभी दोनों टीके सरकार खरीदेगी, जिसका इस्तेमाल वह प्राथमिकता समूह में रखे लोगों को टीका लगाने में करेगी। इनकी संख्या करीब 30 करोड़ है। यानी 60 करोड़ खुराक सरकार को चाहिए। यह पूरा होने के बाद ही सरकार टीके को बाजार में बिक्री की अनुमति देगी।

क्या फाइजर, मॉडर्ना, स्पूतनिक के टीकों को मंजूरी मिलेगी?

बिल्कुल मिल सकती है। फाइजर ने तो आवेदन भी किया है। स्पूतनिक के ट्रायल चल रहे हैं। ये कंपनियां भी आवेदन करेंगी। इसलिए आने वाले समय में ये तीन टीके भी आएंगे। कैडिला का टीका भी तीसरे चरण में है। विश्व में कई और टीके भी तैयार हो रहे हैं। दूसरी छमाही में और टीके आ चुके होंगे।

कई टीकों के आने से क्या होगा?

यदि देश में कई और टीकों को मंजूरी मिलती है और उत्पादन क्षमता बढ़ती है तो सरकार टीकों को बाजार में बिक्री की अनुमति भी देगी और लोग खुद खरीद कर टीका लगा सकेंगे

बाजार में टीकों की कीमतें क्या रहेंगी?

अभी कहना मुश्किल है, लेकिन यह इस बात पर निर्भर करता है कि कितने टीके बाजार में हैं। देश में बनने से निश्चित रूप से टीकों की कीमत कम होगी।

आपातकालीन इस्तेमाल से क्या तात्पर्य है?

इन दो टीकों को अभी सीमित और आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है। इसका एक मतलब तो यह है कि इस्तेमाल वह पूर्ण रूप से चिकित्सकीय निगरानी में होना है। प्रभाव पर नजर भी रखी जाएगी। लेकिन, कुछ बातें स्पष्ट हैं। मंजूरी से पहले पुष्टि की जाती है कि जिसे आपात मंजूरी दी जा रही है, वह प्रभावी है। इस समय उससे बेहतर विकल्प और कोई नहीं है। यदि उससे कहीं ज्यादा प्रभावी दवा आती है तो आपात मंजूरी वाली दवा की मंजूरी वापस भी ली जा सकती है। यदि चिकित्सकीय निगरानी के दौरान दवा या टीका सफल रहता है तो उसे अंतिम मंजूरी प्रदान कर दी जाएगी।

सीमित आपातकालीन इस्तेमाल से क्या तात्पर्य है?

ऐसी मंजूरी के दौरान बड़े पैमाने पर इस्तेमाल की मनाही है, लेकिन कितने लोगों पर इस्तेमाल करना है, इसकी कोई संख्या भी तय नहीं है। खासकर जब टीका देश की सवा सौ करोड़ आबादी को लगना हो तो ऐसे में एक-दो करोड़ को लगाना भी सीमित इस्तेमाल ही माना जाएगा।

भारत में कुल कितने टीकों पर कार्य चल रहा है?

कुल नौ टीकों पर कार्य चल रहा है। दो को आपात मंजूरी मिली है। सात विभिन्न चरणों में हैं।

सबसे पहले किन्हें टीका लगेगा?

पहले चरण में एक करोड़ स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को सबसे पहले टीका लगना है। इसमें सरकारी और निजी सभी स्वास्थ्यकर्मी शामिल हैं। इसके बाद दो करोड़ फ्रंटलाइन वर्कर हैं, जो कोरोना रोकथाम कार्य में लगे हैं, जिनमें पुलिसकर्मी, सरकारी कर्मी आदि शामिल हैं। इसके बाद 27 करोड़ वे लोग हैं, जिन्हें पहले से कोई बीमारी है तथा उन्हें कोरोना से ज्यादा खतरा हो सकता है।

क्या सभी को मुफ्त टीके लगेंगे?

अभी तक एक करोड़ स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं एवं दो करोड़ फ्रंटलाइन वर्कर को ही केंद्र ने मुफ्त टीका लगाने का फैसला किया है। बाकी 27 करोड़ के बारे में अभी निर्णय होना बाकी है, लेकिन राज्य सरकारें चाहें तो वह मुफ्त टीका लगा सकती हैं। कई राज्य घोषणा भी कर चुके हैं।

क्या इन तीनों समूहों को एक साथ टीका लगेगा?

यह आने वाले दिनों में टीके की उपलब्धता पर निर्भर करेगा।

योगी सरकार के इस प्रोजेक्ट से एक लाख लोगों को मिलेगी नौकरी, ग्रेटर नोएडा में चल रही तैयारी

लखनऊ। औद्योगिक विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने कहा है कि ग्रेटर नोएडा में मल्टी- मॉडल लॉजिस्टिक्स हब और मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब को विकसित करने में लगभग 3,884 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत आएगी। इससे एक लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही ईस्टर्न एवं वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के माध्यम से माल के कुशल भंडारण और परिवहन की सुविधा उपलब्ध होगी। यात्रियों की सुविधा के लिए बोराकी में रेल, सड़क और मास रैपिड ट्रांजिट सिस्टम (एमआरटीएस) के साथ मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट हब परियोजना में अंतर्राज्यीय बस टर्मिनल, लोकल बस टर्मिनल, मेट्रो, वाणिज्यिक, रिटेल और होटल सहित हरित स्थान भी होगा। दादरी में लॉजिस्टिक हब परियोजना को एक विश्वस्तरीय सुविधा के रूप में विकसित किया जाएगा जो फ्रेट कंपनियों और ग्राहकों को एक-स्टॉप गंतव्य प्रदान करेगी। इस परियोजना के विकास से न केवल उत्तम कंटेनर हैंडलिंग की सुविधा मिलेगी बल्कि परिचालन की बेहतर दक्षता के साथ लाजिस्टिक्स लागत को कम करने के लिए विभिन्न मूल्य-संवर्धित सेवाएं उपलब्ध होंगी।

निवेश प्रस्ताव को मंजूरी

औद्योगिक विकास मंत्री सतीश महाना ने मेसर्स नानक लॉजिस्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड के निवेश प्रस्ताव को अनुमोदित

कर दिया है। यह वेयरहाउसिंग इकाई लखनऊ के सरोजनी नगर के भउकापुर गांव में 86,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में बनेगी। इसमें लगभग 85 करोड़ रुपये का निवेश होगा। मंत्री सतीश महाना ने कहा है कि ÷वेयरहाउसिंग सप्लाई चेन (आपूर्ति श्रृंखला) का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसमें केंद्रीकृत भंडारण सुविधा उपलब्ध होती है। इसमें एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम) के लिए बेहतर इन्वेंट्री प्रबंधन के साथ औद्योगिक इकाइयों में निर्मित उत्पादों की सुगम पैकिंग, वितरण, और डिलीवरी हो सकेगी। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने बताया कि वेयर हाउसिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में निवेश के लिए राज्य सरकार को लगभग 438 करोड़ रुपये के छह प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इनमें से अनुमोदित इकाई राज्य सरकार की स्वीकृति प्राप्त करने वाली पहली परियोजना है। एकीकृत राज्यस्तरीय लाजिस्टिक्स योजना के विकास के लिए राज्य के नोडल अधिकारी आलोक कुमार ने कहा कि राज्य सरकर ने लाजिस्टिक्स क्षेत्र को उद्योग का दर्जा प्रदान करने के अतिरिक्त लॉजिस्टिक पार्कों के विकास के लिए पात्रता सीमा को 50 एकड़ से घटाकर 25 एकड़ कर दिया है।

घर में घुसकर दलित महिला से की छेड़छाड़

विरोध पर निर्वस्त्र कर धारदार हथियार से किया हमला

> चीख-पुकार सुनकर पड़ोसियों के आने के बाद आरोपी शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। बेहोशी की हालत में महिला को सीएचसी में भर्ती कराया गया। पुलिस ने युवती की तहरीर पर छेदा लाल, परमाई, बनवारी, अनीस, प्रदीप सहित आठ के खिलाफ जानलेवा हमला और दलित उत्पीड़न सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

पूरनपुर । यूपी में पीलीभीत के पूरनपुर में पुराने विवाद के चलते पड़ोस के रहने वाले ग्रामीण ने घर में घुसकर दलित महिला से छेड़छाड़ की। विरोध करने पर निर्वस्त्र कर उसकी जमकर पिटाई लगा दी। बीच बचाव करने आई उसकी पुत्री को भी जमकर पीटा। हत्या के प्रयास को लेकर महिला पर हमला कर दिया। इससे वह बेहोश हो गई। शोर-शराबा करने पर पड़ोस के लोगों के आने के बाद आरोपी ने शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गए। महिला को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली महिला का पड़ोस के रहने वाले एक ग्रामीण से पुराना विवाद है। आरोप है शनिवार शाम 6 बजे आरोपी

परिवार के लोगों को लाठी डंडा और धारदार हथियार लेकर दलित महिला घर में घुसकर गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर उसने महिला को निर्वस्त्र कर जमकर पिटाई लगा दी। बीच बचाव करने आई उसकी पुत्री को भी पीटा। आरोपियों ने धारदार हथियार से महिला पर जानलेवा हमला किया। इससे वह बेहोश हो गई। चीख-पुकार सुनकर पड़ोसियों के आने के बाद आरोपी शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। बेहोशी की हालत में महिला को सीएचसी में भर्ती कराया गया। पुलिस ने युवती की तहरीर पर छेदा लाल, परमाई, बनवारी, अनीस, प्रदीप सहित आठ के खिलाफ जानलेवा हमला और दलित उत्पीड़न सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। कोतवाल एसके सिंह ने बताया महिला और उसके परिजनों की पिटाई के मामले में नौ के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की जाएगी।

एक नजर....

कुमारी प्रिया अग्रवाल की पुण्य जन्म स्मृति पर 17वीं बार रक्तदान शिविर लगाया गयामहेंद्र शर्मा रिपोर्टर ग्वालियर संभाग

आज शासकीय चिकित्सालय गोहद में आखिल भारतीय अग्रवाल परिचय सम्मेलन द्वारा कुमारी प्रिया अग्रवाल की पुण्य जन्म स्मृति पर 17वीं बार रक्तदान शिविर लगाया गया इसमें 26 लोगों ने रक्तदान किया इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती शिल्पा सिंह नायब तहसीलदार गोहद जिन्होंने खुद रक्तदान कर रक्त दान दाताओं का मनोबल बढ़ाया विशिष्ट अतिथि अतिबल सिंह स्काउट गाइड प्रभारी जिला भिंड एवं डॉक्टर आलोक शर्मा (बी.एम.ओ) रहे. कार्यक्रम का संचालन जेपी अग्रवाल द्वारा किया गया जो जो प्रतिवर्ष अपनी बेटी की स्मृति में रक्तदान शिविर का आयोजन करते हैं इस कार्यक्रम में मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियो को स्मृति चिन्ह के रूप में गोहद किला का चित्र भेंट किया गया एवं एवं पत्रकार संवाददाताओं में श्याम बाजपेई रामू तोमर को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया रक्तदान रक्त दाताओं को भी प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिन्ह दिया गया. श्री अनिल शर्मा, श्री शिवम, श्री मनोज शर्मा सचिव (जय दुर्गे कामाख्या मां सेवा संस्थान), श्रीमती राखी शर्मा ,म.प्र. पुलिस, श्री गिर्राज गुप्ता, श्री बेताल, श्री गुलाब सिंह गुर्जर, श्री कपिल शर्मा, श्री विनोद चौहान, श्री आशीष लोहिया, श्री धीर सिंह, श्री सचिंद्र कांकर, श्री गिर्राज केसर मित्तल, श्री उस्मान रहीम. श्री शुभम भटेले, श्री विनोद रजक, श्री प्रशांत श्रीवास्तव, श्री राहुल अग्रवाल, श्री सुनील कुमार, श्रीमती रेखा भदोरिया, श्रीमती कीर्ति भदोरिया, श्री विष्णु अग्रवाल, श्री नेकराम, श्री रामदास प्रजापति, श्री प्रदीप शर्मा, श्री नवीन कुमार शर्मा।

श्रीराम मंदिर निर्माण निधि समर्पण अभियान के अंतर्गत जनजागरण के लिए जिला रियासी में दो रैलियों का आयोजन किया गया

रघुबीर ठाकुर

श्रीराम मंदिर निर्माण निधि समर्पण अभियान के अंतर्गत जनजागरण के लिए जिला रियासी में दो रैलियों का आयोजन किया गया। एक रैली रियासी से वाया पौनी भामला तक जाएगी तथा दूसरी रैली कटड़ा से भागा- सिरला- करुआ होते हुए वापिस कटड़ा जाकर समाप्त होगी। रियासी की रैली को आरएसएस के जिला संघ चालक कुलदीप पंडोह जी के द्वारा झंडी दिखाकर प्रारम्भ किया गया। इस अवसर पर श्रीराम मंदिर निर्माण निधि समर्पण अभियान के प्रमुख कुलदीप कुमार शर्मा व समिति के प्रचार प्रमुख संजीव खजुरिया ने मीडिया को संबोधित करते हुए इस अभियान की संक्षिप्त जानकारी दी। ज्ञात हो कि अयोध्या में श्री राम लल्ला का भव्य और दिव्य मंदिर बनने जा रहा है, प्रत्येक रामभक्त का उसमें योगदान हो इसके लिए राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और उसके विचार संगठनों की अगुवाई में पूरे देश भर में निधि समर्पण अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए प्रत्येक गाँव में समितियों का गठन किया गया है। निधि समर्पण का कार्यक्रम 14 जनवरी 2021को मक्कर संक्रांति से प्रारम्भ होकर 16 फरवरी 2021 बसंत पंचमी को समाप्त होगा। इस दौरान समितियों के कार्यकर्ता घर-घर जाकर निधि समर्पण का आग्रह करेंगे। आज की इन रैलियों में गांवों गांवों के युवा शामिल हुए। इन रैलियों को आरएसएस के जिला संघचालक कुलदीप पंडोह, सह जिला संघचालक रतन सिंह मन्हास, प्रान्त टोली के सदस्य व रियासी जिला के अभियान प्रमुख कुलदीप शर्मा, विभाग अभियान प्रमुख रंजन शर्मा, जिला कार्यवाह रविन्द्र बाली, समिति के सह अभियान प्रमुख ब्रह्मदत्त शर्मा, अशोक बोगियां, प्रचार प्रमुख संजीव खजुरिया, कार्यालय प्रमुख जसवंत सिंह, रियासी नगर के अभियान प्रमुख विक्रान्त मेंगी, संदीप कुमार , अविनाश कुमार, विवेक कुमार,गोकुल कुमार, रतन शर्मा,संजय सिंह आदि कार्यकर्ताओं ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से पुष्ट किया।

प्रदेशाध्यक्ष स्वामी तेजानंद महाराज के नेतृत्व मे संगठन आईडी कार्ड का वितरण किया गया

नारायणलाल सैणचा

संगठन के आई डी कार्ड वितरण कार्यक्रम के अंतर्गत आज तिरुपोरुर तालुक क्षेत्र में सीरवी समाज भवन (ट्रस्ट)में तिरुपोरुर तालुक अध्यक्ष गोविन्दस्वामी चेटियार की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के प्रदेशाध्यक्ष स्वामी तेजानंद महाराज उपस्थित रहे। परम आदरणीय स्वामी के साथ प्रदेश उपाध्यक्ष भबूतराम कुलधाणिया ,प्रदेश प्रभारी लालुराम गहलोत, गुरोमपेट संघठन के केल्मबबाकम क्षैत्रीय प्रभारी पुखराज लेरचा, सीरवी समाज ट्रस्ट केलमबबाक्म अध्यक्ष हीरालाल सीरवी,धर्मीचंद ताराराम मुलेवा, सोहनलाल काग,ओ एम आर रोड संगठन प्रभारी गणपतलाल सोनपुरा सोलींगनलूर,मगाराम लेरचा,और शेषाराम सीरवी मौजूद रहे।संगठन के माननीय प्रदेशाध्यक्ष महोदय ने सभी सदस्यों को संगठन के परिचय पत्र वितरित किये। स्वामी ने उपस्थित सभी बंधुओं को ईमानदारी और भय मुक्त व्यवहार से व्यापार करने की सलाह दी। साथ ही आपश्री ने आश्वस्त किया कि सच्चे और व्यापारिक तरीकों से व्यापार करने वाले सभी सदस्यों के साथ संगठन हर वक्त खडा रहेगा सभी विशिष्ट पदाधिकारियों को इस सेवाकार्य के लिए बहुत बहुत धन्यवाद!

पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिये 51 जिलों में छात्रावास का संचालन

मुरैना। प्रदेश के 51 जिलों में 100 सीटर पिछड़ा वर्ग बालक एवं 50 सीटर कन्या छात्रावास संचालित किये जा रहे हैं। इन छात्रावासों का संचालन पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा किया जा रहा है। उज्जैन जिले में 100 सीटर बालक तथा 100 सीटर कन्या छात्रावास भवन का निर्माण पूर्णता की ओर है। जबलपुर जिले में 500 सीटर पिछड़ा वर्ग कन्या छात्रावास भवन निर्माण का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है।

विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति का 40 विद्यार्थियों को लाभ-पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को विदेशों में उच्च अध्ययन करने के लिये विभाग द्वारा आर्थिक लाभ दिया जा रहा है।

लहार की जनता मेरी भगवान में उसका पुजारी: गिरिजाशंकर परिहार

अगर जीवन मे कभी सेवा का मौका मिले तो सारथी बने-आर.ए प्रजापति एसडीएम

लहार(अर्पित गुप्ता)। लहार की जनता से मिला प्यार हमेशा याद रखूंगा यह बात लहार जनपद में चालक पर पदस्थ गिरिजाशंकर परिहार ने कही।रविवार को नगर के सरयू गार्डन में समाज सेवियों द्वारा उनके सेवानिवृत्त होने पर रखे।बिदाई समारोह में कही इस मौके पर एस.डी.एम लहार आर.ए प्रजापति, एस. डी.ओ.पी अवनीश बंसल, जनपद सी.ई.ओ आलोक इटोरिया, तहसीलदार लहार नवीन भारद्वाज मोके पर मौजूद रहे। इस मौके पर एस.डी.एम लहार आर.ए प्रजापति ने अपने बक्तव्य मे कहा कि अगर जीवन मे कभी सेवा करने का मौका मिले तो सारथी बने कभी भी स्वार्थी न बने उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण चाहते तो महाभारत में संचालक भी बन सकते थे पर उन्होंने सारथी बनकर अपने कर्तव्य को निभाया ओर सत्य को बिजय दिलाई इस मौके

एस.डी.ओ.पी अवनीश बंसल ने अपने बक्तव्य मे कहा कि में परिहार जी से ज्यादा परिचित तो नही हूँ पर इनके बारे में यहां आकर बहुत सुन चुका हूं ये लगातार 38 बर्षो से अपनी सेवा देकर जनता का मन मोह चुके है वह काफी व्यवहार कुशल व व्यक्तित्व के धनी एवम सुलझे हुए व्यक्ति हैं इस मौके पर जनपद सी.ई.ओ एबम तहसीलदार महोदय ने अपने अपने अनुभव शेयर किए लहार के समाज सेवियों द्वारा परिहार जी का एक भव्य बिदाई समारोह की पार्टी आयोजन किया गया इस मौके पर उनके पुत्र धर्मेंद्र परिहार ने सभी का आभार प्रकट किया और कहा कि आप सभी ने अपना अमूल्य समय देकर हमारे ऊपर जो कृपा की है उसके लिए हम सदैब उनके आभारी रहेंगे इस मौके सेकड़ो सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई पिकअप एक की मौत 3 घायल

दबोह(अर्पित गुप्ता)

अनियंत्रित होकर पेड़ से टकराई पिकअप एक की मौत व 3 हुए घायल,दरअसल मामला भिंड जिले के दबोह थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम देवरी का है जहां पर दबोह से मौ जा रही पिकअप वाहन क्रमांक स्क्क07 व्र 8869 अनियंत्रित होकर देवरी के पास पेड़ से जा टकराई जिसके चलते मौके पर ही एक की मौत व तीन लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए।हादसे में मृतक व सभी घायल भिंड जिले के मौ के निवासी बताये ज रहे हैं जो दबोह के पास कहीं भाड़ा लेकर आये थे और उसे खाली कर अपने घर मौ वापस जा रहे थे।हादसे में शाहरुख राइन पुत्र

मेहंदी राइन उम्र 25 वर्ष निवासी मौ जिला भिंड की मौके पर ही मौत हो गई व मन्नू पुत्र अजमेरी खान उम्र 27 साल निवासी मौ जिला भिंड,शोहेल राइन पुत्र यूसुफ खान उम्र 22 वर्ष निवासी मौ जिला भिंड,फरमान अली पुत्र अफसर अली उम्र 26 वर्ष निवासी मौ जिला भिंड गंभीर रूप से घायल हैं जिन्हें उपचार के लिए ग्वालियर रैफर कर दिया गया है।फिलहाल तो दबोह थाना पुलिस विवेचना में जुट गई है।

20 दिन से लावारिस हालत में लेटे व्यक्ति की सहायता के लिए पहुंचे संतोष चौहान

लहार(अर्पित गुप्ता)

लहार अनुभाग के देवरी तिराह के पास रोड किनारे भूख प्यास एवं कड़कड़ाती सर्दी के कष्टदायक हालत में लगभग 20 दिन से लेटे लावारिस व्यक्ति की ग्राम देवरी निवासी कृष्ण दत्त पाराशर द्वारा राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित सामाजिक कार्यकर्ता संतोष चौहान को जानकारी दी गई।जानकारी मिलते ही संतोष चौहान एवं समाजसेवी सुरेश चंद दुबे उक्त व्यक्ति के पास

पहुंचे और सर्दी से बचाव के लिए उसको कंबल भेंट किया नाश्ता भोजन करवाने के बाद उसके कष्टदायक हालात एवं खुले आसमान के नीचे रोड किनारे लेटे कड़कड़ाती सर्दी बरसात जैसे होते मौसम से प्राणघातक संकट के हालात की संभावना को गंभीरता से देखते हुए प्रशासनिक स्तर पर समुचित व्यवस्था प्रबंध के लिए संतोष चौहान द्वारा डायल हंड्रेड को सूचना दी गई डायल हंड्रेड द्वारा उसको दबोह अस्पताल में एडमिट करवाया गया दबोह थाना प्रभारी ने संतोष चौहान को दूरभाष चर्चा पर उक्त लावारिस व्यक्ति की समुचित व्यवस्था करने का आश्वासन दिया गया।

जीतेगा मध्यप्रदेश-जिम्मेदारी और साझेदारी का सन्देश

लहार(अर्पित गुप्ता)। जीतेगा मध्यप्रदेश-जिम्मेदारी और साझेदारी का सन्देश के तहत आपका फीडबैक आवश्यक है। बस एक मिनट का समय अपने शहर के लिए निकालिए ,और शहर की स्वच्छता पर आधारित 08 सवालों के जवाब देकर अपनी ज़िम्मेदारी और साझेदारी निभाएँ। मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने जनता से शहर को स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में नंबर 1 बनाने के लिए अपना मूल्यवान फीडबैक देने की अपील की साथ ही बताया कि आपको जानकर खुशी होगी की आपका शहर लहार हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 में भाग ले रहा है पिछली बार आपके शहर की रैंक 185 थी।इस वर्ष आपके सहयोग से आपका शहर बनेगा नंबर 1 आप अपना मूल्यवान फीडबैक 5 माध्यम से से सकते है। पहला अपने मोबाइल में डाउनलोड करके दूसरा अपने फोन में स्वच्छता ऐप डाउनलोड करके तीसरा 1969 पर कॉल करके चौथा स्वच्छ भारत मिशन (अर्बन) की वेबसाइट पर जाकर एवम् पांचवा ऐप के माध्यम से दे सकते है। स्वच्छता ऐप डाउनलोड करे एवम् अपने आसपास की गंदगी के फोटो लेकर शिकायत दर्ज करे।

शिक्षा रुपी हथिनी के दूध पीने से ही भारत फिर से विश्व गुरु बन सकता है: गोपेंद्र

बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ गोप गुट के द्वारा आयोजित देश के प्रथम शिक्षिका समाजसेवी और मराठी कवयित्री माता सावित्रीबाई फुले जयंती समारोह को संबोधित करते हुए बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ गोप गुट के प्रवक्ता गोपेंद्र कुमार सिन्हा गौतम ने सबित्री बाई फुले को याद करते हुए कहा कि देश को एक बार फिर से विश्व गुरु बनाने के लिए शिक्षा रूपी हथिनी के दूध प्रत्येक देशवासियों को पिलाने की सख्त जरूरत है।खास करके उनको जो भारत के दूरस्थ गांवों में आज भी शिक्षा के ज्योतिपुंज से दूर अभाव और अंधकार की जिंदगी गुजर बसर कर रहे हैं। शिक्षा नैतिकता और मानवीय मूल्यों से रहित तुच्छ वस्तु के समान है। ज्योतिबा फुले और सावित्रीबाई फुले दंपति ने देश को सिखाया कि पति और पत्नी कैसे एक दूसरे के सहयोगी बनके देश के समक्ष आदर्श प्रस्तुत कर सकते हैं। उन्होंने उस मुहावरे को गलत साबित कर दिया कि प्रत्येक पुरुष के सफलता के पीछे एक महिला का हाथ होता है।उन्होंने बतलाया प्रत्येक इंसान की सफलता में स्त्री और पुरुष दोनों का एक समान योगदान है।इसे कतई नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। यह बात सावित्रीबाई फुले के सफलता के पीछे अगर किसी का सर्वाधिक हाथ था तो वह था ज्योतिबा फुले का।जिन्होंने उन्हें शिक्षा देकर दूसरों को शिक्षा देने लायक बनाया।महज नौ वर्ष की उम्र में शादी के बंधन में बंधने के बाद भी अगर आज सावित्रीबाई फुले देश के प्रथम शिक्षिका होने का गर्व हासिल की हैं तो उनके पीछे ज्योतिबा फुले का अहम योगदान रहा है। साथ ही सावित्रीबाई के सफलता में फातिमा शेख और उनके भाई उस्मान का भी बहुत बड़ा योगदान रहा जिन्होंने सावित्रीबाई को विद्यालय स्थापना करने और उसके संचालन में अहम योगदान दिया था। दाउदनगर के नगर पालिका विद्यालय संख्या दो में सावित्रीबाई फुले की 190 वी जयंती पर एक समारोह आयोजित की गई। इस समारोह की अध्यक्षता शिक्षिका निर्मला कुमारी और संचालन गोपेंद्र कुमार सिन्हा गौतम

ने किया। जिसमें दाउदनगर अनुमंडल के विविध विद्यालयों के शिक्षक शिक्षिका एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर माता सावित्रीबाई फुले के चरणों में श्रद्धा के पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। समारोह की अध्यक्षता करते हुए शिक्षिका निर्मला कुमारी ने कहा आज से सैकड़ों वर्ष पहले महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में सावित्रीबाई फुले ने जो काम किया है आज उसी का परिणाम है सेवा के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की लगातार हिस्सेदारी बढ़ रही है। इस समारोह को संबोधित करते हुए शिक्षक रविंद्र नाथ टैगोर ने कहा कि विकट परिस्थितियों में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना सबित्री बाई फुले के संघर्षपूर्ण जीवन से सीखने की जरूरत है।उनके द्वारा महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अट्ठारह सौ बावन में जो प्रथम विद्यालय स्थापित किया गया वही आज मील का पत्थर साबित हो रहा है।आज देश की बहू बेटियां प्रत्येक क्षेत्र में नित्य नई नई उपलब्धियां हासिल कर रही है।आज कोई ऐसा क्षेत्र नहीं है जहां महिलाओं ने अपना परचम नहीं लहराया हो। शिक्षक देव कुमार भारतीय ने कहा कि सावित्रीबाई फुले के पति और महान समाजसेवी ज्योतिबा फुले पहले शख्सियत थे जिन्होंने महिला को अपने समकक्ष माना और उनके साथ मिलकर ज्ञान के दीपक जलाने के लिए अनेक शिक्षा केंद्रों की स्थापना की है। ज्योतिबा फुले देश के लिए कहते थे किसी भी राष्ट्र को आगे ले जाने के लिए कृषि और किसान ही आधार हैं और इसके लिए उन्होंने एक किसान विद्यालय की भी स्थापना की थी। डॉक्टर शैलेश कुमार मैनेजर डीआरसीसी रोहतास ने अपनी बात रखते हुए बताया कि महिला सशक्तिकरण की बात हर तरफ सुनी जाती है पर जब महिलाएं आगे आती हैं तो उनके राहों में रोड़ा अटकाने वाले लोग बाज नहीं आते ऐसे लोगों को चिन्हित कर समझाने बुझाने की जरूरत है।शिक्षक लाल देव कुमार ने अपनी बात को रखते हुए कहा आज जरूरत है वंचित समुदाय से ताल्लुक रखने वाले तमाम महान विभूतियों पर विश्वविद्यालयों में शोध कार्य किया जाए ताकि उनके अमूल्य योगदान को देश की प्रगति के लिए उपयोग किया जा सके। इस अवसर पर बोलते हुए गोपगुट के उपाध्यक्ष प्रदीप कुमार ने जिलाधिकारी से आग्रह किया है कि शिक्षा अवकाश तालिका में सावित्रीबाई फुले जयंती को भी शामिल किया जाए और प्रतिवर्ष विद्यालयों में इनकी जयंती नारी सशक्तिकरण दिवस के रूप में मनाई जाए।इस समारोह के अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए गोपेंद्र कुमार सिन्हा गौतम ने इन पंक्तियों से सभा समाप्ति की घोषणा की बेटी है तो सृष्टि है फिर क्यों हमारी उनके प्रति गिद्ध वाली दृष्टि है÷इस सोच को बदलने की जरूरत है। कार्यक्रम के अंत में दिल्ली में चल रहे किसान आंदोलन में शहीद होने वाले चौव्वन वीर अन्नदाताओं के प्रति कृतज्ञता जाहिर करने के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दिया गया। इस कार्यक्रम में बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ गोप गुट के प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार रत्ना, प्रखंड सचिव परवेज आलम, शिक्षक उदय कुमार, शिवधार देव,अजय प्रजापति, विमलेश कुमार ,रवि रंजन कुमार, उमेश प्रसाद ,प्रदीप कुमार उपाध्यक्ष बिहार राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ गोप गुट ,ग्रह नारायण सिंह ,पंडित राधेलाल ,समाजसेवी श्याम देव निराला ,शिक्षिका कांति कुमारी ,रंभा कुमारी ,मीना कुमारी, प्रतिभा कुमारी , एवं अवकाश प्राप्त शिक्षिका कांति कुमारी ने भी अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई।

VISION 2030

ग्वालियर शहर में पहली बार हर सेवा और वस्तु बहुत ही सस्ती

जियो रीचार्ज एक माह 199 वाला केवल 180 में।
आइडिया और एयरटेल का रीचार्ज केवल 225/- में 249 वाला।
किराना का सामान सबसे सस्ता।
HOME TUITION का डेमो फ्री वो भी 15 दिन।
केक केवल 180/- में फ्री HOME DELIVERY के साथ।
टिफिन सेंटर खाना बिल्कुल घर जैसा।

ऐसे ही 5 लाख प्रोडक्ट्स और 50 से ज्यादा सेवाएँ
बस एक कॉल या वॉट्सएप्प, हर सेवा आपके पास।

Only WHATSAPP 9425823988
call-9691937250/- 9516003221

एक नजर....

सदुरु नेत्र जाँच केन्द्र का शुभारम्भ आज

मऊरानीपुर (झाँसी) श्री सदुरु सेवा संघ, जानकी कुण्ड चित्रकूट द्वारा मऊरानीपुर में राष्ट्रीय अन्धत्व निवारण कार्यक्रम के अन्तर्गत अन्धत्व निवारण हेतु सदुरु नेत्र जाँच केन्द्र का शुभारम्भ आज 4 जनवरी 2021 सोमवार को गरौठा चौराहा , छतरपुर रोड, सदुरु मार्केट, दुकान नं. 3, मऊरानीपुर में शाम 6 बजकर 30 मिनट पर किया जायेगा। यह उक्त जानकारी नेत्र परीक्षण प्रभारी भगवत नारायण मोर ने दी।

सड़क दुर्घटना में व्यक्ति घायल

मऊरानीपुर (झाँसी) सडक दुर्घटना में व्यक्ति घायल हो गया। प्राप्त विवरण में बृजनन्दन (30) पुत्र नारद निवासी बुढिया को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया । हालत में सुधार न होने पर झाँसी रिफर कर दिया गया।

महिला ने किया जहर का सेवन

मऊरानीपुर (झाँसी) अज्ञात कारणों के चलते महिला ने जहर का सेवन कर लिया। प्राप्त विवरण में पूजा (24) पत्नी ओमप्रकाश निवासी मदरवास को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया । हालत में सुधार न होने पर झाँसी रिफर कर दिया गया।

फिसलने से महिला घायल

मऊरानीपुर (झाँसी) फिसलने से महिला घायल हो गयी। प्राप्त विवरण में सोमवती (42) पत्नी कोमल सिंह निवासी तिलैरा को प्राथमिक उपचार के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया । हालत में सुधार न होने पर झाँसी रिफर कर दिया गया।

राममंदिर निर्माण को लेकर रामभक्तों ने 492 वर्षों तक किया अनवरत संघर्ष : विश्ववर्धन भट्ट

बैराड़ । नगर में समाजसेवी व हिन्दू समाज के लिए सदैव सक्रिय रहने बाले संगठन विश्व हिंदू परिषद बजरंगदल प्रखंड बैराड़ की रविवार को एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें मुख्य रूप से प्रांत सह संयोजक विश्ववर्धन भट्ट उपस्थित रहे। बैठक का प्रारंभ विजय महामंत्र के साथ किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र निधि समर्पण महाअभियान को लेकर बैठक आयोजित की गई है जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित प्रांत सह संयोजक विश्ववर्धन भट्ट ने अपने उद्बोधन मैं कहा कि श्री राम जी धर्म के मूर्तिमंत स्वरूप है वे भारत की आत्मा है श्री राम जन्मभूमि पर भव्य श्री राम मंदिर भारतीय मन की सास्वत प्रेरणा है इस राम मंदिर के लिए श्री राम भक्तों ने 492 वर्षों तक अनवरत संघर्ष किया और अतीत के 76 संघर्षों में 4 लाख से अधिक राम भक्तों ने बलिदान दिया लगभग 36 वर्षों के सुसूत्र श्रृंखलाबद्ध अभियानों के फल स्वरुप संपूर्ण समाज में लिंग, जाति, वर्ग, भाषा संप्रदाय, क्षेत्र आदि भेदों से ऊपर उठकर एकात्म भाव से श्री राम मंदिर के लिए अप्रतिम त्याग और बलिदान किया जिसके परिणाम स्वरूप 9 नवंबर 1989 को श्री राम जन्म भूमि पर शिलान्यास पूज्य संतों की उपस्थिति में अनुसूचित समाज के बंधु श्री कामेश्वर चौपाल ने किया। इतना ही नहीं श्री भट्ट ने कहा कि भारत सरकार ने 5 फरवरी 2020 को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र नाम से न्यास का गठन कर अधिकृत 70 एकड़ भूमि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र को सौंप दी तदुपरांत 25 मार्च 2020 को श्री राम लला तिरपाल के मंदिर से अपने आस्थायी नवीन काष्ठ में विराजमान हुए श्री भट्ट ने राम मंदिर निर्माण को लेकर प्रत्येक परिवार के प्रत्येक व्यक्ति से निधि समर्पण सहयोग देने को लेकर कहा कि भारतीय सनातन समाज की विशेषता रही है विद्यार्थी, वानप्रस्थी, सन्यासी, भिक्षु इत्यादि को जीवन यापन हेतु संसाधन उपलब्ध कराना मंदिर एनं तीर्थों में धर्मशाला तथा अन्य समाज उपयोगी स्थानों का निर्माण कराना, सहयोग करना समाज के श्रीमंतों का सास्वत स्वभाव रहा है श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र भगवान श्री राम के मंदिर निर्माण हेतु समस्त समाज के साथ योगदान का आग्रह एवं सहयोग का आव्हान करते हुए कहा कि महासागर पर सेतुबंध के समय गिलहरी की भांति इस पुनीत यज्ञ में यथाशक्ति योगदान कर पुण्य के भागी बने इतना ही नहीं श्री भट्ट ने गुरु गोविंद सिंह जी व उनके दोनों सुपुत्रों के बलिदान को लेकर भी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया इसकेस साथ ही जिला सह संयोजक उपेन्द्र यादव ने कहा कि पूज्य संतों ने यह आवान किया है कि श्री राम जन्मभूमि में भव्य मंदिर बनने के साथ-साथ जन-जन के हृदय मंदिर में श्री राम एवं उनके जीवन मूल्यों की प्रतिष्ठा हो श्रीराम 14 वर्षों तक नंगे पैर वन भूमि समाज के हर वर्ग तक पहुंचे उन्होंने उचित समझे जाने वाले लोगों को आत्मीयता से गले लगाया अपनत्व की अनुभूति कराई, सभी से मित्रता की, जटायु को भी पिता का सम्मान दिया, नारी की गरिमा को पुनर्स्थापित किया, असुरों का विनाश कर आतंकवाद का समूल नाश किया, हम सबको अपने अपने दृढ़ संकल्प एवं सामूहिक पुरुषार्थ से ऐसा ही भारत बनाना है इस अवसर पर जिला सह संयोजक बजरंग दल उपेन्द्र यादव, जिला संगठन मंत्री भरत रावत,जिला सेवा प्रमुख महावीर कर्ण, विश्व हिंदू परिषद प्रखंड अध्यक्ष दिलीप मरैया, मंत्री अंकित गुप्ता, संयोजक प्रिन्स प्रजापति, सह संयोजक ललि मुदगल, नगर सह संयोजक रंजीत (अंकित) रावत, विकास सूर्यवंशी, सह संयोजक धर्मेन्द्र तोमर,अजमेर चिड़ार नगर गौ रक्षा प्रमुख, विकास सोनी विधार्थी प्रमुख, विकास कुशवाह,रिंकू जाटव, विजय खाडेकर,अंकित शर्मा हैप्पी, आकाश, नीलेश, मिथुन, अनविल, आशिक, वीरू, राजू परिहार आदि सहित विभिन्न कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जन अधिकार पार्टी की हुयी समीक्षा बैठक

मऊरानीपुर (झाँसी) जन अधिकार पार्टी के तत्वाधान में मऊरानीपुर विधानसभा क्षेत्र में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। जिसके मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संगठन मंत्री देवेन्द्र शाक्य व विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष रमेश चन्द्र निषाद रहे। अध्यक्षता विधानसभा प्रभारी आगामी चुनाव की प्रत्याशी श्रीमती बृज कुमारी पत्नी रमेश चन्द्र निषाद जन अधिकार पार्टी ने मंऊरानीपुर विधानसभा में विधानसभा कमेटी की बैठक करते हुये आगामी चुनाव की भूमिका तैयार की। साथ ही बताया गया कि प्रत्येक सोमवार को जन अधिकार पार्टी विधानसभा मऊरानीपुर में तमाम मुद्दों को लेकर विधिवत ज्ञापन देते आ रही है। और जब तक मुद्दों को हल नही किया जाता है तब तक जन अधिकार पार्टी पीछे नही हटेगी बराबर शासन प्रशासन को जागरुक कराती रहेगी। साथ ही कहा गया कि जो केन्द्र सरकार ने गलत तरीके से और राज्य सरकार ने केन्द्र की मशीनरी और क्रीमी लेयर लागू की है।

उसे वापस नही लेती है तथा किसानों के बिल एवं दोहरीकरण शिक्षा बिल, डीजल- पेट्रोल के दाम किसानों के खाद में कटौती तथा अन्ना जानवरों के लिये व्यवस्था न किये जाने एवं बेरोजगारों को रोजगार नही मिलने सें काफी आक्रोशित है। जन अधिकार पार्टी केन्द्र व राज्य सरकार का घनघोर विरोध करती है। और करती रहेगी। इस मौके पर जन अधिकार पार्टी के विधानसभा स्तर के पदाधिकारी, कार्यकर्त्तागण मण्डल प्रभारी कालीचरण कुशवाहा पूर्व चेयरमैन झाँसी, चन्दन सिंह कुशवाहा जिला उपाध्यक्ष मऊरानीपुर, जिला सचिव रामपाल सिंह कुशवाहा, जिला प्रभारी दीनदयाल निषाद रोनी, जिला महासचिव देवेन्द्र कुशवाहा, विधानसभा अध्यक्ष सन्तोष कुशवाहा, मऊरानीपुर विधानसभा प्रभारी चिरंजी लाल कुशवाहा, मण्डल संगठन मंत्री नन्दू निषाद आगरा मण्डल तथा विधानसभा एवं जिले के पदाधिकारी व कार्यकर्त्तागण मौजूद रहे।

एसडीएम के मुख्य आतिथ्य में कम्बल वितरण के साथ हुयी प्रतियोगिता

मऊरानीपुर (झाँसी) नववर्ष के पावन अवसर पर नगर में कोचिंग संचालक मातादीन जी के द्वारा कडकडाके की सर्दी को देखते हुये गरीब, असहायों एवं अनाथों को ठण्ड से बचाने के लिये अपनी एक जिम्मेदारी मानते हुये उनका सहारा बने। जिसके मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी मऊरानीपुर अंकुर श्रीवास्तव रहे। जिनके मुख्य आतिथ्य में नगर के गरीब, असहायों एवं अनाथों को नववर्ष के अवसर पर उनके सम्मान में कम्बल का वितरण किया गया। साथ ही नववर्ष की पावन बेला पर नन्हें- मुन्नें बच्चों ने सॉस्कृतिक प्रतियोगिताओं के माध्यम से नववर्ष मुख्य अतिथि की उपस्थिति में केक काटकर मनाया। इसी के चलते मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी मऊरानीपुर अंकुर श्रीवास्तव ने अपने सम्बोधन में कार्यक्रम की काफी सराहना की। साथ ही नववर्ष 2021 की सभी लोगों को शुभकामनायें देते हुये नन्हें- मुन्नें बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। और कोंचिग संचालक को बधाई दी। इस मौके पर व्यापार मण्डल के जिलाध्यक्ष अखिलेश सेठ, नगर अध्यक्ष दीपक मोदी सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

भाजपा नवगठित कार्यकारिणी की प्रथम बैठक हुई संपन्न

05 जनवरी को दबोह में मनाएंगे काला दिवस

मिहोना(अर्पित गुप्ता) भारतीय जनता पार्टी की बृहद बैठक चतुर्वेदी मैरिज गार्डन में संपन्न हुई बैठक में मार्गदर्शन के रूप में पूर्व विधायक रसाल सिंह जी उपस्थित रहे। बैठक मंडल अध्यक्ष विकास बौहरे के नेतृत्व में सम्पन्न हुई। मंचासीन अतिथियों में संतोष बौहरे दादा, ह्रदेश सिंह कुशवाह, राधे श्याम पालीवाल, कैलाश मिश्रा,अंगत सिंह राजावत, रामसुमरन सिरोठिया, उमाशंकर तिवारी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन हरिबाबू निराला ने किया पूर्व विधायक रसाल सिंह जी ने सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि दबोह में पिछली 05 जनवरी 2020 को कांग्रेस शासन द्वारा बिना नोटिस दिए जो तोड़फोड़ की गई थी उस दिवस को काले दिवस के रूप में मनाया जाएगा।आप सभी कार्यकर्ता गण ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुँचने की अपील की इस बैठक में वरिष्ठ नेताओं के अलावा मंडल के सैकड़ों कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

लाडली लक्ष्मी योजना में अब तक 37 लाख से ज्यादा बालिकाएँ लाभान्वित

मुरैना। प्रदेश में बालिका जन्म के प्रति जनता में सकारात्मक सोच, लिंग अनुपात में सुधार, बालिकाओं के शैक्षणिक स्तर तथा स्वास्थ्य की स्थिति मे सुधार तथा उनके अच्छे भविष्य की आधार शिला रखने के उददेश्य से लाडली लक्ष्मी योजना अप्रैल 2007 से लागू की गई थी। इस योजना के प्रारंभ से दिसम्बर 2020 तक लगभग 37 लाख 63 हजार 735 बालिकाओं को लाभान्वित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में लगभग 2 लाख 28 हजार 283 बालिकाओं को लाडली लक्ष्मी योजना में पंजीकृत किया गया। इस शैक्षणिक वर्ष में कक्षा-6, कक्षा-9 एवं कक्षा-11 में प्रवेश लेने वाली कुल एक लाख 53 हजार 917 बालिकाओं को 39.06 करोड़ रूपये का भुगतान छात्रवृत्ति के रूप में किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश की बालिकाओं को मिलने वाले लाभ को स्थायी बनाने के लिए राज्य शासन द्वारा मध्यप्रदेश लाडली लक्ष्मी (बालिका प्रोत्साहन) अधिनियम, 2018 लागू किया गया, जो प्रत्येक बालिका को मिलने वाली राशि की गारन्टी प्रदान करता है।

श्रीवास समाज की बैठक के माध्यम से पदाधिकारियों का हुआ गठन

मऊरानीपुर (झाँसी) श्रीवास समाज की एक बैठक आयोजित की गयी। जिसमें आगामी 11 मार्च को महाशिवरात्रि पर्व पर होने वाले विवाह कार्यक्रम की भूमिका बनाकर रुपरेखा तैयार की गयी। साथ ही सर्वसम्मति से जुगल किशोर श्रीवास एड. को अध्यक्ष बनाया गया। सन्तोष श्रीवास रासपहारिया को संयोजक व प्रेमनाथ श्रीवास छोटे को संरक्षक बनाया गया। जिनका फूलमाला पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। साथ ही आगामी पर्व को लेकर बैठक के माध्यम से श्रीवास समाज ने काफी निर्णय लिये। जिससे कार्यक्रम पूर्व की भाँति इस वर्ष भी सम्पन्न हो सके। इस मौके पर कैलाश श्रीवास ,राकेश पहलवान, प्रमोद सेठ, सन्तोष श्रीवास, जगदीश श्रीवास आदि सैकडों श्रीवास समाज के लोग उपस्थित रहे।

बॉलीवॉल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

मऊरानीपुर (झाँसी) तहसील क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले पण्डवाहा ग्राम में टोडीफतेहपुर तिराहे पर बॉलीवॉल प्रतियोगिता का आयोजन माँ भगवती इंटरप्राइजेज प्रोपराइटर धर्मेन्द्र पाल के द्वारा किया गया। जिसके उद्घाटन कर्ता महेश कश्यप जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी झाँसी एवं मुख्य अतिथि तिलक चन्द्र अहिरवार पूर्व एमएलसी, विशिष्ट अतिथि राजेश पाल जिला उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी एवं टोडीफतेहपुर नगर पंचायत अध्यक्ष वीर सिंह यादव रहे। जिसमें अतिथियों के द्वारा फीता काटकर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया गया। इसी कडी में बॉलीवॉल प्रतियोगिता समिति के द्वारा अतिथियों का जोरदार स्वागत किया गया। जिसमें फूलमाला पहनाकर सम्मान किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि महेश कश्यप जिलाध्यक्ष समाजवादी पार्टी झाँसी ने अपने सम्बोधन में समस्त लोगों को सर्वप्रथम नववर्ष 2021 की शुभकामनायें दी। साथ ही उन्होनें कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगितायें टूर्नामेन्ट होने से बच्चों का मनोबल बढता है। इसी प्रकार से हम सभी लोगों को आगे बढकर एक के बाद एक ऐसी प्रतियोगिताओं को कराना है जिससे बच्चे जागरुक बने रहे। इसी के चलते उन्होनें आयोजन कर्ता के साथ उनकी समस्त टीम के खिलाडियों के खेल की व्यवस्थायें चाक चौबन्ध रखने को लेकर उनकी सराहना की। इसी के चलते बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। इस मौके पर सैकडों ग्रामवासी एवं दर्शक मौजूद रहे।

देश में पहली बार मोदी सरकार ने अनुसूचित जाति के छात्रों को मजबूत करने के लिए उठाया

अनुसूचित जाति के छात्रों को मिलेगी 5 वर्ष में 60000 करोड़ रुपए की स्कॉलरशिप करीब 136 करोड़ छात्रों को मिलेगी स्कॉलरशिप

कदम संध्या राय

भिंड आजादी के बाद केंद्र सरकार में कांग्रेस की कई वर्ष तक सरकार रही लेकिन केंद्र की मोदी सरकार ने इस ओर कदम उठाया और पोस्ट मैट्रिक के छात्रों की स्कॉलरशिप की रकम 11=00 सौ करोड़ से बढ़ाकर 60000 करोड़ों रुपए कर दी है इसके अब हर 5 प्रतिशत धनराशि में वृद्धि भी केंद्र सरकार के हिस्से में होगी यही नहीं इस धनराशि को सीधे छात्रों के बैंक अकाउंट में भेजा जाएगा जिससे छात्र अपना अध्ययन जारी कर सकें यह जानकारी शनिवार को पत्रकार वार्ता के दौरान सर्किट हाउस पर भिंड दतिया लोकसभा सांसद श्रीमती संध्या राय ने दी श्रीमती संध्या राय ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आजादी के बाद किसी सरकार ने अनुसूचित जाति के छात्रों के कल्याण के बारे में गंभीरता से सोचा ही नहीं और खास तौर से कांग्रेस का तो कल्याण योजनाओं में विश्वास ही नहीं रहा अब मोदी सरकार ने इस ओर ध्यान दिया और जो पोस्ट मैट्रिक के छात्र होते हैं और 11वीं कक्षा में आते हैं उनके कल्याण के लिए सरकार ने धनराशि को बढ़ाया है पहले यह धनराशि मात्र 11 सौ करोड़ रुपए थी जिसे अब 60000 करोड़ रुपए कर दिया गया है पहले स्थिति यह थी कि राज्य सरकार अपना ऐसा समय पर जमा नहीं करती थी जिससे केंद्र सरकार का हिस्सा भी नहीं मिल पाता था अब सभी छात्रों के बैंक अकाउंट में यह धनराशि सीधे जमा होगी जिसके लिए एक पोर्टल भी बी पोर्टल भी बन रहा है जिसमें सभी छात्रों का रजिस्ट्रेशन होगा श्रीमती संध्या राय ने बताया कि अब केंद्र सरकार इस धनराशि में हर वर्ष 5त्न की वृद्धि करेगी और इस प्रकार यह आने वाले समय में यह हिस्सा 80त्न प्रतिशत तक पहुंच जाएगा इस प्रकार करीब 136 करोड़ छात्रों को यह धनराशि मिलेगी आने वाले 4 वर्षों में सरकार करीब चार करोड़ छात्रों को इस योजना के दायरे में लाएगी उन्होंने बताया कि इससे ड्रेपआउट छात्रों की संख्या में कमी आई योजना मैं अब पूरी पारदर्शिता होगी और साथ में जवाबदेही होगी इसके साथ योजना का वार्षिक मूल्यांकन भी किया जाएगा शिवानी सिंह श्रीमती संध्या राय ने इस योजना के लिए भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति जाति मोर्चा प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी और सामाजिक न्याय मंत्री श्री थावर चंद्र गहलोत के प्रति आभार व्यक्त किया उन्होंने अनुसूचित जाति जाति के कमजोर छात्रों को संबल देने के लिए योजना का विस्तार किया है

अनुसूचित जाति समाज का कांग्रेस ने कमजोर किया संध्या राय–सांसद श्रीमती संध्या राय ने पत्रकारों से रूबरू होते हुए कहा है कि कांग्रेस ने हमेशा अनुसूचित जाति समाज के साथ वोट बैंक की राजनीति कर उन को कमजोर करने का काम किया है भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के एकावमानववाद के अंतोदय को लेकर गरीब मजदूर और किसानों तथा झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले व्यक्तियों का विकास आगे की पंक्ति में खड़े रहने का कार्य किया है देश पर अधिकांश कांग्रेस की सरकारें रही जिन्होंने अनुसूचित जाति के विकास की कोई चिंता नहीं कि अगर उन्होंने की होती तो देश की स्वतंत्रता से ही आज तक समाज का विकास अंतिम छोर तक पहुंच जाता है भाव हमारे देश के ऊर्जावान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के प्रयास से संभव हुआ।

सेवादार गरीबों में किए गए कंबल वितरण

अमित शर्मा

ग्वालियर सक्षम दिव्य प्रिय वेलफेयर सोसाइटी की तरफ से संस्था की अध्यक्ष श्रीमती रेनू राणा ने नव वर्ष के इस स्वर्णिम अवसर पर अपने पति की स्मृति में शहर के प्रमुख मंदिरों के सेवादारों एवं गरीबों में कंबल वितरण का कार्य किया।उनका कहना है सेवा भाव से किया गया कार्य कभी व्यर्थ नहीं जाता एवं उनको मंदिर परिसर में उपस्थित सेवादारों एवं गरीबों के प्रति सहानुभूति दिखाते हुए बड़े ही हर्षोल्लास के साथ यह कार्यक्रम संपूर्ण किया इसमें शहर के प्रमुख मंदिर श्रीनाथ साईं बाबा,अचलेश्वर व मांडरे की माता पर यह वितरण किया गया।

सम्पादकीय

हाथ से जाने न पाए वैज्ञानिक तरक्की का यह मौका

नए साल के साथ एक नए दशक की भी शुरुआत हो रही है। एक वैश्विक महामारी का मुकाबला करते हुए नए साल और नए दशक में हम प्रवेश कर रहे हैं। बीते दशक में देश ने विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है और कई क्षेत्रों में हम विकसित देशों के समानांतर खड़े दिखते हैं। देश में विज्ञान एवं तकनीक के आधार को मजूबती मिली है। वैज्ञानिक आधार मजबूत होने के कारण ही कोरोना के खिलाफ देश की लड़ाई सफल भी रही है। हमारे पास युवा वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की कमी नहीं है। फिर उद्योग जगत की उत्पादन क्षमता का दायरा भी विस्तृत है। ये दोनों हमारी ताकत हैं। ये दोनों मिलकर कार्य कर भी रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में देश में करीब 15 हजार से अधिक स्टार्टअप शुरू हुए हैं। स्टार्टअप की सहायता के लिए डेढ़ सौ से अधिक इंकुबेटर खोले गए हैं। सिर्फ विज्ञान एवं प्रौद्यौगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित प्रयासों का ही जिक्र करें, तो इनसे 28 हजार करोड़ रुपये का नया उत्पादन हुआ और 80 हजार नए रोजगार तकनीकी क्षेत्र में पैदा हुए। इसी प्रकार के प्रयास अन्य वैज्ञानिक महकमों की तरफ से भी हुए हैं। बीते दशक में हमने वैसे तो विज्ञान के हर क्षेत्र में आगे कदम बढ़ाए, लेकिन अंतरिक्ष विज्ञान की बात करें, तो चंद्रमिशन एवं मंगलयान जैसे कार्यक्रमों से भारत ऐसा करने वाले शीर्ष देशों की कतार में शामिल हुआ। इसी प्रकार, डीआरडीओ और इसरो के एंटी सैटेलाइट कार्यक्रम ने भी देश को शीर्ष पर पहुंचाया है। ये कार्यक्रम नई पीढ़ी के लिए वैज्ञानिक प्रेरणा के स्रोत बने। उम्मीद है, नए दशक में भारत अंतरिक्ष कार्यक्रम में कई कामयाबियां हासिल करेगा। दीगर है कि अंतरिक्ष में मानव भेजने की हमारी तैयारियां चल रही हैं। नए दशक के शुरुआती वर्षों में भारत अंतरिक्ष में एक और बड़ी कामयाबी हासिल करेगा। दूसरे, निजी क्षेत्र में उपग्रहों के निर्माण के फैसले से भी इस क्षेत्र को विस्तार मिलने की संभावना है। इन सबमें युवा आबादी स्वाभाविक तौर पर हमारी ताकत है। इस ताकत को अवसर में बदलने के लिए हमें और प्रयास करने होंगे। छात्रों को बचपन से विज्ञान की तरफ प्रेरित करना होगा। पिछले साल तैयार हुई नई शिक्षा नीति इस दिशा में कारगर होगी। इसे मल्टी डिसिप्लीनरी बनाया गया है। इसके लिए स्कूल स्तर पर मानक, कॉलेज स्तर पर इंस्पायर, लड़कियों के लिए विज्ञान ज्योति, पीजी स्तर पर प्रधानमंत्री साइंस फेलोशिप, पोस्ट डॉक्टरल फेलोशिप जैसे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम चल रहे हैं। इन कार्यक्रमों के जरिए प्रतिवर्ष लाखों प्रतिभाओं को विज्ञान से जोड़ा जाता है, जिसका लाभ भी हो रहा है। इसे कई रूपों में देखा जा सकता है। जब मैं स्वयं आईआईटी का छात्र था, तब करीब 60-70 फीसदी छात्र डिग्री लेने के बाद विदेश चले जाते थे, पर अब ऐसे छात्रों की संख्या दस फीसदी के करीब है। जबकि आईआईटी से डिग्री लेने वालों की संख्या में तब से भारी इजाफा हो चुका है। यह दर्शाता है कि देश में विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में अवसर बढ़ रहे हैं। नए दशक में हमें कई स्तरों पर काम करना होगा। हमें नई तकनीकों में शोध पर ज्यादा ध्यान देना होगा, जैसे क्वांटम कम्यूनिकेशन, क्वांटम कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि। वैसे, इन क्षेत्रों में हम काम शुरू कर चुके हैं, लेकिन फोकस बढ़ाना जरूरी है। दूसरा, आज देश में बेसिक साइंस में काफी शोध हो रहे हैं। हम शोध पत्र प्रकाशित करने में तीसरे स्थान पर भी हैं। पर हमें बेसिक साइंस में अपने शोधों की गुणवत्ता को बेहतर करना होगा। शोध को तकनीक में बदलकर लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के प्रयास करने होंगे। तीसरे, सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान शुरू किया है। हमें उन क्षेत्रों में विशेष तौर पर ज्यादा शोध करने होंगे, जिन क्षेत्रों में भारत दूसरे देशों पर निर्भर है।

अब टीकाकरण अभियान में आएगी तेजी

अभिलाषा द्विवेदी

हम साल 2021 में कोविड-19 से निजात पाने के लिए टीकाकरण की दिशा में आगे बढ़ चुके हैं। दस से ज्यादा देशों में टीकाकरण की शुरूआत भी हो चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी साल बीतते-बीतते वैक्सीन को स्वास्थ्य आपातकाल के आधार पर अनुमति दे दी है। दुनिया को इस पल का इंतजार था। विश्व स्वास्थ्य संगठन से मिली मंजूरी के बाद भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में टीकाकरण अभियान में तेजी आ जाएगी। अब दुनिया में कहीं भी जरूरत पड़ने पर वैक्सीन कोवीशील्ड का इस्तेमाल किया जा सकता है।

हम साल 2021 में कोविड-19 से निजात पाने के लिए टीकाकरण की दिशा में आगे बढ़ चुके हैं। दस से ज्यादा देशों में टीकाकरण की शुरूआत भी हो चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी साल बीतते-बीतते वैक्सीन को स्वास्थ्य आपातकाल के आधार पर अनुमति दे दी है। दुनिया को इस पल का इंतजार था। विश्व स्वास्थ्य संगठन से मिली मंजूरी के बाद भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में टीकाकरण अभियान में तेजी आ जाएगी। अब दुनिया में कहीं भी जरूरत पड़ने पर वैक्सीन कोवीशील्ड का इस्तेमाल किया जा सकता है।

अहम साल 2021 में कोविड-19 से निजात पाने के लिए टीकाकरण की दिशा में आगे बढ़ चुके हैं। दस से ज्यादा देशों में टीकाकरण की शुरूआत भी हो चुकी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी साल बीतते-बीतते वैक्सीन को स्वास्थ्य आपातकाल के आधार पर अनुमति दे दी है। दुनिया को इस पल का इंतजार था। विश्व स्वास्थ्य संगठन से मिली मंजूरी के बाद भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में टीकाकरण अभियान में तेजी आ जाएगी। अब दुनिया में कहीं भी जरूरत पड़ने पर वैक्सीन कोवीशील्ड का इस्तेमाल किया जा सकता है। भारत में भी ऑक्सफोर्ड एस्ट्राजेनेका की कोवीशील्ड और कोवैक्सीन के आपातकालीन इस्तेमाल की मंजूरी लगभग तय हो गई है। भारत में और भी वैक्सीन को मंजूरी मिल सकती है, वैक्सीन बनाने वाली कंपनियां अपने-अपने ढंग से अपने टीके को कारगर साबित करने में लगी हैं।

इन दिनों दुनिया के अन्य देशों के साथ-साथ भारत में भी टीकाकरण कार्यक्रम की पूरी तैयारी हो रही है। देशव्यापी पूर्वाभ्यास चल रहा है। यह टीकाकरण की सभी व्यवस्थाओं के प्रबंधन का पूर्वाभ्यास है। भारत वैक्सीन निर्माताओं के साथ निरंतर संपर्क में है। वैक्सीन बन चुकी है। अपने परीक्षण के प्रारंभिक तीन चरण पूरे कर चुकी है, जिनके आधार पर विशेषज्ञ स्तर से आपातकालीन मंजूरी मिलनी तय है। वैसे अभी भी कुछ विवरण, जैसे कीमत, खुराक इत्यादि बहुत स्पष्ट नहीं हो सके हैं। भारत सरकार लगातार वैक्सीन अपडेट पर अपनी नजर और संपर्क बनाए हुए है। वैक्सीन ऐसा विषय है, जिसमें तमाम सरकारों को दुनिया भर में चल रहे वैज्ञानिक प्रयासों से जुड़ना होगा। वैक्सीन की गुणवत्ता में विशेष रूप से निगाह रखने की जरूरत रहेगी।

भारत में वैक्सीन की पूरी हलचल है। पूर्वाभ्यास के जरिए 96,000 के करीब वैक्सीनेटरों को प्रशिक्षित किया गया है। राष्ट्रीय प्रशिक्षण द्वारा 2,360 प्रशिक्षक तैयार किए गए हैं। देश भर के 719 जिलों में जिला-स्तरीय प्रशिक्षण में 57,000 से

अधिक प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया है। वैक्सीन और सॉफ्टवेयर संबंधित प्रश्नों के लिए राज्य हेल्पलाइन नंबर 104 लाने की तैयारी चल रही है। यह हेल्पलाइन नंबर 1075 के अतिरिक्त होगा। जब टीकाकरण अभियान आगे बढ़ेगा, तब निचले स्तर पर लोगों को जोड़ने के लिए और भी सुविधाएं देने की जरूरत पड़ेगी।

सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के तमाम प्रयासों के बावजूद कोरोना वैक्सीन की चुनौतियां अभी भी कम नहीं हैं। वैक्सीन में भ्रष्टाचार की अटकलों से भारत भी अछूता नहीं है। स्वास्थ्य आपातकाल की इस परिस्थिति में सफल वैक्सीन बाजार में आने वाली है। इसके बाद यह सुनिश्चित करना है कि सही लोगों को सही समय पर सही वैक्सीन मिले, यह एक बड़ी चुनौती है। हम सब जानते हैं, भारत में यह एक बहुत बड़ा काम होगा।

वैक्सीनेशन की सुविधा का समान रूप से राष्ट्रीय स्तर पर वितरण हो, यह सुनिश्चित करने के लिए प्रारूप तैयार किया गया है। अभी तक भारत में अधिकांश राष्ट्रीय टीका वितरण प्रणाली का प्रारूप बच्चों के पूर्ण टीकाकरण के उद्देश्य से ही रहा है। अभी तक इतने बड़े पैमाने पर वयस्क टीकाकरण के लिए ऐसी व्यवस्था नहीं है, तो यह भी एक नई चुनौती होगी। भारत में खासकर स्वास्थ्य प्रशासन के लिए यह परीक्षा की घड़ी होगी।

प्रशासन में विभिन्न स्तर पर कोरोना वायरस प्रतिरोधी टीकाकरण अभियान की तैयारियां जोरों पर हैं, लेकिन भारत के विभिन्न क्षेत्रों में इस महामारी के संक्रमण की गति और प्रभाव में बड़ा अंतर देखने को मिला है। इस आधार पर टीकाकरण को लेकर लोगों में वैक्सीन की जरूरत और उसके असर की विश्वसनीयता को लेकर संशय है। जनता के बीच वैक्सीन की मांग और स्वीकार्यता को लेकर सोच-समझ में भारी अंतर है।

कई तरह की अफवाहें और फजीर्वाड़े भी लोगों के विचार पर असर डाल रहे हैं। वैक्सीन के रखरखाव और उसे प्रभावी बनाए रखने की व्यवस्था को लेकर भी नकारात्मक चर्चाओं से लोगों में असमंजस की स्थिति बनी है। प्रशासन को लोगों के बीच ज्यादा मुस्तैदी के साथ जागरूकता के लिए काम करना पड़ सकता है। लोगों को वैक्सीन के लिए तैयार करने में मुश्किल आ सकती है। यह अच्छी बात है कि लोग वैक्सीन की चर्चा कर रहे हैं। जगह-जगह कोल्ड चेन सिस्टम, कोल्ड स्टोरेज को आखिरी स्वरूप दिया जा रहा है। सिरिंज, बिजली व्यवस्था, सोलर पावर कोल्ड स्टोरेज को भी बेहतर करने पर पूरा ध्यान दिया जा रहा है। इन तैयारियों से भी देश में वैक्सीन के प्रति स्वीकार का भाव बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वक्तव्य में देशवासियों को आश्वस्त किया है कि हमारे लिए सुरक्षा महत्वपूर्ण है, जितनी भी वैक्सीन भारत अपने नागरिकों को देगा, वे सभी वैज्ञानिक मानकों पर सुरक्षित होंगी।

उधर, अमेरिका में पहले ही कोविड-19 टीकाकरण शुरू कर दिया गया है। इजरायल में अभी तक सात प्रतिशत नागरिकों को टीका लगाया जा चुका है। बेंजामिन नेतन्याहू ने भी वैक्सीन लगवाई है और लोगों को जागरूक और प्रेरित करने के लिए उनके टीकाकरण का सीधा प्रसारण किया गया है। दुनिया में बडे-बड़े नेता आगे आकर टीका लगवा रहे हैं, ताकि अन्य लोगों को प्रेरणा मिले। भारत में भी इसकी जरूरत पड़ सकती है। अमेरिका के अलावा स्विट्जरलैंड, इजरायल, मलेशिया, ब्रिटेन, बहरीन, कनाडा, मैक्सिको, रूस और चीन में भी टीकाकरण चल रहा है। कई देशों में अनेक टीके इस्तेमाल किए जा रहे हैं, लेकिन उनका सभी मानव समूहों पर समग्र प्रभाव परखना अभी बाकी है। टीका व्यक्ति के बीमार पड़ने और उसे फिर अस्पताल में भर्ती होने के खतरे से बचाएगा, लेकिन यह भी संभव है कि वैक्सीन लिया हुआ व्यक्ति वायरस का वाहक हो, वह दूसरों के लिए संक्रामक हो सकता है। इसलिए टीकाकरण के बाद भी लोगों को मास्क पहनने के साथ-साथ शारीरिक दूरी बनाए रखने जैसे एहतियात बरतने होंगे। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी यह कहना है कि टीका संक्रमण को रोककर वायरस के प्रसार को रोक सकता है, लेकिन अभी और प्रमाण की जरूरत है। साथ ही, टीकाकरण से हर्ड इम्यूनिटी प्राप्त करने के लिए बड़ी संख्या में लोगों को वैक्सीन लगाने की जरूरत पड़ सकती है और इसमें समय लगेगा।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

बैराड़ नगर परिषद ने कड़ाके की ठंड में भी नहीं जलवाए जा रहे नगर में अलाव

गर परिषद द्वारा नगर में अलाव जलाने के लिए कहीं भी लकडियों का इंतजाम नहीं किया है। इस कारण लोग अपने स्तर पर कूड़ा-करकट बीनकर अलाव जलाकर सर्दी से बचने के जतन कर रहे हैं। इसमें लोग प्लास्टिक तक जला रहे हैं, जो पर्यावरण में जहरीला धुआं छोड़ रही है। कुछ स्थानों पर बेकार पड़े टायरों को भी जलाकर ठंड भगाई जा रही है जो बदबू के साथ पर्यावरण पर विपरीत असर डाल रहे हैं। प्रतिवर्ष जलाए जाते हैं सरकारी अलाव-नगर पालिका द्वारा ठंड के जोर पकड़ते ही नगर के विभिन्न स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की जाती है। इसमें मुख्य चौराहों, गरीब बस्तियों, अस्पताल, बस स्टैंड आदि स्थानों पर शासकीय अलाव जलाए जाते हैं। इससे अधिक से अधिक लोग इसका फायदा उठा सके। इस बार तापमान में अधिक गिरावट होने के बाद भी यह व्यवस्था अभी तक नहीं हो सकी है।

धीरज ओझा

बैराड़- इन दिनों ठंड जोरों पर है। इससे बचाव के लिए लोग विभिन्न जतन कर रहे हैं। 10-12

दिनों से सर्दी के प्रकोप से जहां सुबह व रात का पारा काफी नीचे आ गया है वहीं दिन का तापमान भी 15 डिग्री तक आ पहुंचा है। इन सर्द हवाओं व कंपकंपा देने वाली ठंड से बचाव के लिए अभी तक नगर परिषद प्रशासन ने नगर में कहीं भी अलाव जलाने की व्यवस्था नहीं की है। जबकि शासन को ठंड शुरू होते ही अलाव की व्यवस्था करनी चाहिए।

कूड़ा-करकट जला रहे हैं लोग- नगर परिषद द्वारा नगर में अलाव जलाने के लिए कहीं भी लकडियों का इंतजाम नहीं किया है। इस कारण लोग अपने स्तर पर कूड़ा-करकट बीनकर अलाव जलाकर सर्दी से बचने के जतन कर रहे हैं। इसमें लोग प्लास्टिक तक जला रहे हैं, जो पर्यावरण में जहरीला धुआं छोड़ रही है। कुछ स्थानों पर बेकार पड़े टायरों को भी जलाकर ठंड भगाई जा रही है जो बदबू के साथ पर्यावरण पर विपरीत असर डाल रहे हैं।

प्रतिवर्ष जलाए जाते हैं सरकारी अलाव- नगर पालिका द्वारा ठंड के जोर पकड़ते ही नगर के विभिन्न स्थानों पर अलाव की व्यवस्था की जाती है। इसमें मुख्य चौराहों, गरीब बस्तियों, अस्पताल, बस स्टैंड आदि स्थानों पर शासकीय अलाव जलाए जाते हैं। इससे अधिक से अधिक लोग इसका फायदा उठा सके। इस बार तापमान में अधिक गिरावट होने के बाद भी यह व्यवस्था अभी तक नहीं हो सकी है।

कोहरे और ठंड से प्रभावित हो रहा जनजीवन-

बैराड़ क्षेत्र में कुछ दिनों से कोहरे और ठंड से जनजीवन प्रभावित हो गया है। इसके बाद भी दिनभर ठिठुरन रही। इस कारण लोगों को दिन में भी अलाव का सहारा लेना पड़ा। नगर परिषद ने भी जगह-जगह अलाव जलाने की व्यवस्था की है।

ठिठुरते हैं लोग- ठंड के मौसम में नए बस स्टैंड पर स्थित यात्री प्रतीक्षालयों में बाहर के यात्री ठिठुरते रहते हैं।पुराना बस स्टैंड,गांधी मार्केट,नया बस स्टैंड,माता रोड, तहसील क्षेत्र, सरकारी अस्पताल आदि इन स्थानों पर लकड़ी की व्यवस्था नहीं होने से अलाव नहीं जल रहे हैं।

इनका कहना है

बैराड़ नगर परिषद ने किसी भी जगह कड़कड़ाती ठंड में अलाव की व्यवस्था नहीं की दूर भर से आ रहे यात्री ठंड के कारण इधर उधर भटके हैं और पन्नियां व्य कागज का सहारा लेना पड़ता हैं ।

वीरेंद्र राजौरिया शहरवासी बैराड़

क्या कहते है शहरवासी व जिम्मेदार

आपके द्वारा बताया गया है हम अलाव भी व्यवस्था करवाते हैं आज कल में।

मधुसूदन श्रीवास्तव सीएमओ नगर परिषद बैराड़

जन्मों तक मै करूँ प्रतीक्षा

प्रिया तुम कह दो मैं आऊंगा,
पथ पर तेरे नैन बिछा दूं।
जन्मों तक मैं करूं प्रतीक्षा,
तेरे लिए कई जन्म लगा दूं।
रोली अक्षत थाल सजाकर
इन नैनों के दीप जलाकर।
प्रेम के पुष्प चुन लाऊं ताजे,
माल बना दूं शूल बचाकर।
ऐसा करूं मैं स्वागत तेरा,
तेरे लिए अपनी सांस लगा दूं।
सरस सुगंधी चंपा दल की,
इत्र बिछा दूं राह में तेरे।
प्रेमके रस से लिप दूं पथ को,
मणिमुक्ता जड दू पथ तेरे।
बांध दू तोरण धड़कन का मै,
प्रेम का बंदनवार सजा दूं।
हार सिंगार करूं चंदा का,
तारों की मैं चुनरी जड़ा लूं।
प्रेम का रंग घोल सिंदूरी,
इन हाथों पर मेहंदी रचा लूं।
रात का अंजन नैन सजा के,
पगतल चांदनी तार बिछा दूं।
जन्मो तक मैं करूं प्रतीक्षा,
तेरे लिए कई जन्म लगा दूं।

कामिनी मिश्रा,वरिष्ठ गीतकार कवयित्री
व शिक्षिका,स्वतंत्र लेखिका व स्तम्भकार,
प्रा.वि.-लालमणि खेडा,वि.ख.-बिघापुर,
जनपद-उन्नाव,उत्तर प्रदेश

राजभाषा(हिन्दी)कार्यान्वयनसमिति, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी,
द्वाराप्रथमपुरस्कारप्राप्तकविता
'अनुशासन'

अनुशासन वो शक्तिहैजोजीनाहमेसिखातीहै।
अनुशासन मे रहकरजीना, आयनाहमेदिखातीहै।
बड़े-बड़ेनेताओं, अभिनेताओं ने
अनुशासनजबजब खोयाहै।
लाभउठायाऔरों ने खुद का भाग्य तबतबसोयाहै।
माता-पिता से आँख चुराते, मित्रों से आँख मिलातेहै।
सुशान्तजैसेहोनहारतबतब जीवन से चलेजातेहै।
अनुशासनविहीन जीवन, जैसेसबकुछजड़ चेतन
यह न कोईहै बंधन, यह है जीवन का स्पदंन
अनुशासनसे शासनचलतारहतीप्रशासन की शान
अनुशासनसे धैर्ये धीरहैसैन्य सुरक्षा दलों की आन
अनुशासनसे युद्ध विजय होरणकौशल की यह पहचान
अनुशासनसे जीऐहमइसमेबसतेसबकेप्राण
अनुशासनसे बाधांसागर, टूटादशानन का अभिमान
अनुशासनकी बड़ीभूमिका, जीवन मे हमपातेहैं
इसकेबिनाकभीभी, काम समय पर नही करपातेहै
अच्छाक्याहैऔरबुराक्याकौनहमेसिखलायेगा
अनुशासनकी सीख से ही जीवन सुगम बन जायेगा
अनुशासनहीबीजमत्रं हैयहसबकीउन्नति का गान
अनुशासनऋषिवर धारेरचेबहुत सेग्रंथमहान
आओमिलकरकदमबड़ाऐ खुदकोअनुशासितबनाऐ
हर घर मे अनुशासनहोतबदेश मे शासनहो।
बड़ेबुजुर्गों का कहनामानो, अनुशासन मे रहोसभी
जागोदेश के होनहारों, कलतोआता नही कभी।

संजय शर्मा
(वरिष्ठ तकनीकी सहायक)

पिता का प्यार

1. तेरी आशाओं के पिंजरे में तोता बनकर जा बैठा,
खुद के लिए खुदा से कुछ न माँगा;
तेरे लिए तो खुदा को ही माँगा,
तन को लपेटा था केवल अपने मन से;
तुझको तो सजाया सब अर्पण से,
सब ने तुझको केवल यूँही देखा,
हमने तो बस तुझमें रब ही देखा;
तुझको बिस्तर पर लिटाया खुद जमीं पर जा लेटा,
तेरी आशाओं के पिंजरे में तोता बनकर जा बैठा..

2.तेरी फरियाद को मैने दुनिया से जा लाया,
तुझको तो सब देखे केवल यूँही बिस्तर पर;
हमने तो तुझको रब के हाथों से उठा लाया,
सब ने तो केवल एक ललना पाया ;
हमने तो जिंदगी भर का एक रंगना पाया,
हम तो थे बस एक रंग की तरह ;
पर रंगना तो हमारा है इंद्रधनुष की तरह,
जो भी मैंने तुझसे चाहा वो सब पाया;
तेरी फरियाद को मैने दुनिया से जा लाया.....

पं. सुजीत शर्मा(शिक्षक),प्रयागराज

शिक्षा

1. शिक्षा शिक्षक जीवन के प्राण है जीवन पथ
2. देश समाज विकास की अंकुर पहचान है
3. शिक्षा के बिना हम सब अज्ञान अमानवीय
4. हे सरकार मेरे पालनहार शिक्षित करें
5. इस युग में प्रत्येक नागरिक साक्षरता हो

स्वरचित एवं मौलिक
मनोज शाह मानस
सुदर्शन पार्क,
मोती नगर,
नई दिल्ली

कर्ण

अनेक योद्धाओं में, वो विराट बहुत अभिमानी था!
कवच कुंडल दान कर दिये ,वो वीर बहुत दानी था!!
सूर्य की भांति प्रकाश ,जिसका जीवन तेज था!
क्षत्रिय होकर शूद्र बना, जिसका जीवन अतीत था!!
वो वचन-श्रापों के कारण ,कुछ बाध्य लाचारी था!
वरना रणभूमि में सब पर, वो अकेला भारी था!!
त्रिलोकी भार के रथ को जिसने हिला दिया था!
वो कर्ण था,जिसने अपना पराक्रम दिखा दिया था!!
मित्रता में जिसने सर्वस्य अपना त्याग दिया था!
खुद का अस्तित्व मिटाकर,जिसने जीवनदान किया था!!
कुंती माँ को दिया वचन ,पांडवों के साथ था!
नही तो कब का समाप्त,वो रणभूमि में संग्राम था!!
रणभूमि में, उसके जैसा कोई वीर नहीं था!
स्वयं हरि जिसके समक्ष अधिरज थे!!
अपने जीवन को ,जिसने जीवांत किया था!
मरकर भी वो अमर रहा,वो राधे कर्ण महान था!!

डॉक्टर प्रिया पचौरी
वेटनरी कॉलेज जबलपुर (मध्यप्रदेश)

अखबार

छुपता नहीं कुछ यहाँ अखबार से
बचा नहीं कोई कलम की धार से
गहरी पैठ इनकी है बाजार में
हर वर्ग डरता यहाँ पत्रकार से
बड़े बड़ों के करते काम उजागर
जो काम बनता नहीं सरकार से
जान की बाजी लगा के खबरें लाते
नहीं डरते किसी भी प्रहार से
जागरूकता ये फैलाते लोगों में
गहरा असर पड़े शब्दों के वार से
देश दुनिया की जानकारी मिले
दिन शुरू होता सुबह समाचार से ।।

सारिका जागृति
सर्वाधिकार सुरक्षित

सिगरेट-शराब और फिल्मी पार्टियों से रहते हैं दूर दोस्त भी हैं गिने-चुने

बॉलीवुड अभिनेता धर्मेंद्र के बेटे सनी देओल ने भी बॉलीवुड में खूब नाम कमाया। गदर, बॉर्डर, घातक,घायल जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम कर चुके सनी देओल की गिनती देश के लोकप्रिय अभिनेताओं में होती है। अपनी धाकड़ एक्टिंग के लिए पहचाने जाने वाले सनी देओल गुरदासपुर से बीजेपी के सांसद भी हैं। सनी देओल शानदार लाइफस्टाइल के लिए जाने जाते हैं। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल अपने स्वास्थ्य का बहुत ध्यान रखते हैं। वो सिगरेट और शराब से दूर रहते हैं, सनी देओल किसी तरह का नशा नहीं करते हैं। वो व्यायाम के लिए जिम में काफी समय व्यतीत करते हैं। इतना ही नहीं बॉलीवुड एक्शन हीरो सनी देओल फिल्मी पार्टियों से भी दूर रहते हैं। उन्हें कभी फिल्मी पार्टियों में शामिल होते नहीं देखा गया है।

पंजाब के गुरदासपुर से हैं सांसद

फिल्मों में नाम कमाने के बाद सनी देओल 2019 में राजनीति में आ गए। उन्होंने भाजपा के टिकट पर पंजाब के गुरदासपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ा और पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष सुनील जाखड़ को शिकस्त देकर लोकसभा में पहुंचे। गुरदासपुर सीट से दिवंगत अभिनेता विनोद खन्ना लंबे समय तक सांसद रहे थे।

मां-बाप से करते हैं बहुत प्यार

सनी देओल के गिने-चुने दोस्त हैं। वो ज्यादातर समय अपने परिवार के साथ व्यतीत करते हैं। सनी संयुक्त परिवार के पक्षधर है। वो अपने पिता धर्मेंद्र और मां प्रकाश कौर से बेहद प्यार करते हैं। सनी देओल का अपने मां और पिता के बिना मन नहीं लगता। वो अपने छोटे भाई बॉबी देओल से भी बहुत प्यार करते हैं। बॉबी देओल अकसर सोशल मीडिया पर अपने भाई सनी देओल के साथ फोटो शेयर करते रहते हैं। करोड़ों की संपत्ति के हैं मालिक : बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान दिए गए चुनावी हलफनामे के मुताबिक सनी और उनकी पत्नी पूजा देओल 87 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्ति के मालिक हैं। सनी देओल के पास 60 करोड़ रुपए की चल संपत्ति और 21 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति है। उस दौरान उनके बैंक अकाउंट में 9 लाख रुपये जमा थे, जबकि 26 लाख रुपए कैश था। इसके अलावा उनकी पत्नी पूजा देओल 6 करोड़ रुपए की चल संपत्ति की मालकिन हैं, हालांकि पूजा देओल के पास कोई अचल संपत्ति नहीं है। इसके अलावा उनपर 53 करोड़ रुपए की देनदारी भी है।

वरुण के किसिंग सीन को डायरेक्ट करने पर बोले पिता डेविड धवन

आजकल फिल्म में किसिंग होना कोई बड़ी बात नहीं है

फिल्ममेकर डेविड धवन ने बेटे वरुण धवन के साथ कई फिल्मों में काम किया है। हाल ही में उनके डायरेक्शन में बनी फिल्म कुली नंबर 1 में वरुण ने लीड रोल प्ले किया था। डेविड ने बताया कि उनकी फिल्म में जब वरुण धवन किसिंग सीन करते हैं तो उनका कैसा रिएक्शन होता है। हालांकि उनका मानना है कि आजकल फिल्म में किसिंग होना कोई बड़ी बात नहीं है। अगर स्क्रिप्ट में किसिंग सीन की डिमांड है तो उसे करने में एक्टर्स को कोई हर्ज नहीं होना चाहिए। बॉलीवुड हंगामा के साथ इंटरव्यू के दौरान डेविड धवन से बेटे वरुण के किसिंग सीन को डायरेक्ट करने लेकर पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह कोई मुश्किल टास्क नहीं है, क्योंकि फिल्म बनाने के दौरान उनका एडिट्यूड प्रोफेशनल होता है। उर्मिला मातोंडकर ने मुंबई में खरीदा 3 करोड़ का ऑफिस तो कंगना ने कसा तंज, बोलीं- काश मैं भी तुम्हारी तरह स्मार्ट होती डेविड धवन ने कहा, यह करना हमारे लिए मुश्किल नहीं है क्योंकि हम प्रोफेशनल लोग हैं। जब मैं उसके (वरुण) साथ शूटिंग करता हूं तो उसे नहीं देखता है और नहीं पूछता कि हमें यह करना चाहिए या नहीं। मैं उसे बताता हूं कि हमें इसे करना है। स्क्रिप्ट में किसिंग सीन की डिमांड है और हमें इसे करना है। डेविड ने आगे कहा, वास्तव में, यह गलत नहीं है। किसिंग सीन इन दिनों भारतीय फिल्मों के लिए बहुत ही लाइट सीन है। जब इसे आप इसे प्रोफेशनली कर रहे हैं तो यह उचित है। आप बाएं, दाएं और सेंटर में नहीं देखते हैं। अरे, यार मेरा बेटा कर रहा है, शर्म आ रही है। किस बात की शर्म आ रही है बता दें कि डेविड धवन के निर्देशन में बनी फिल्म कुली नंबर 1 क्रिसमस के मौके पर अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। इसमें वरुण धवन के साथ सारा अली खान लीड रोल में हैं। हालांकि फिल्म को दर्शकों से मिक्स रिव्यूज मिले हैं। इस फिल्म में वरुण और सारा के अलावा परेश रावल, जावेद जाफरी और राजपाल जैसे सितारे अहम भूमिका में थे।

सारा अली खान ने पैपराजी के सामने मास्क उतारने से किया इनकार

कोरोना काल में आम लोगों से लेकर सेलेब्स तक मास्क पहनने और सोशल डिस्टेंसिंग जैसी नियमों का पालन कर रहे हैं। हालांकि अक्सर देखा जाता है कि सेलेब्स पैपराजी के सामने मास्क उतारकर फोटो क्लिक करवाते हैं लेकिन सारा अली खान ने ऐसा करने से साफ मना कर दिया। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि सारा अली खान एयरपोर्ट में नजर आ रही हैं। वह फैन्स के साथ फोटो क्लिक करवाती हैं। इस दौरान पैपराजी भी उनकी तस्वीरें खींचते हैं, लेकिन वह अपना मास्क नहीं उतारती हैं। जब वह कार में बैठ जाती हैं तो फोटोग्राफर्स उनसे मास्क उतारने के लिए कहते हैं, लेकिन वह मना कर देती हैं। पैपराजी सारा से अपील करती है कि अब तो आप कार के अंदर बैठी हैं प्लीज मास्क के बिना फोटो दे दीजिए। इस पर कहती हैं, माफ करो दोस्तों पर मास्क नहीं निकालूंगी। बताते चलें कि सारा अली खान और उनके भाई इब्राहिम ने दोस्तों के साथ पटौदी पैलेस में नए साल का जश्न मनाया था। नए साल के स्वागत के दौरान सर्दी बढ़ने पर उन्हें अलाव का सहारा लेना पड़ा। पैलेस में उनके लिए नए साल को सेलिब्रेट करने की पूरी व्यवस्थाएं की गई थीं। सारा ने इस न्यू ईयर सेलिब्रेशन की कुछ फोटोज अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की थीं। तस्वीर में वह भाई इब्राहिम के साथ बोनफायर के सामने बैठी नजर आईं। सारा ने कैप्शन में लिखा, हैप्पी न्यू ईयर। मेरे भाई के साथ हमेशा बेस्ट चियर होता है। वह मेरा सारा डर ले जाता है और हमेशा मेरे आंसू पोंछने के लिए तैयार रहता है। प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो सारा अली खान फिल्म अतरंगी रे में नजर आएंगी। फिल्म में वह अक्षय कुमार और धनुष लीड रोल में हैं। सारा ने इस फिल्म के लिए पिछले साल मार्च में बाराणसी में शूटिंग शुरू की थी, लेकिन कोरोना के चलते लगे लॉकडाउन के कारण शूट रोक दिया गया था। इस फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय कर रहे हैं।

फिल्मी खबरें

अक्षय गायत्री मंत्र जपते नजर आए

अभिनेता अक्षय कुमार ने नए साल के अवसर पर साल के पहले सूर्योदय का एक वीडियो ट्विटर पर पोस्ट किया है। इस वीडियो में अक्षय गायत्री मंत्र का जाप करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो के साथ उन्होंने लिखा कि अगर आपने मिस कर दिया। ये साल 2021 का पहला सूर्योदय है। सबके लिए प्रार्थना कर रहा हूं। हैप्पी न्यू ईयर एवरीवन। बता दें कि अक्षय ने अपनी आगामी फिल्म अतरंगी रे की दिल्ली और आगरा शूटिंग शेड्यूल पूरी कर ली है। इस फिल्म को आनंद एल राय द्वारा निर्देशित किया गया है। एक क्रॉस-कल्चरल लव स्टोरी बताने वाली फिल्म में सारा अली खान, धनुष और निमरत कौर भी हैं। इसके अलावा अक्षय ने अपनी आगामी स्पाई थ्रिलर बेल बॉटम की शूटिंग भी पूरी कर ली है, और अब वह पीरियड ड्रामा फिल्म पृथ्वीराज में काम कर रहे हैं।

नए साल के लिए बिग बी ने नहीं लिया कोई संकल्प

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने नए साल के लिए उन्होंने कोई संकल्प नहीं लिया है। साथ ही साल 2020 को अजीब बताया है। अपनी भावना को जाहिर करते हुए उन्होंने लिखा कि 2020 के इस पूरे साल के बाद यह लिखने में काफी अजीब लग रहा है क्योंकि बीता हुआ साल काफी अजीब रहा और आने वाला साल भी अजीब हो सकता है, लेकिन हां, पिछले के मुकाबले कुछ अच्छे मायनों में और 1.1.21 के एहसास में इसकी एक झलक की अनुभूति होती है, एक एहसास, जो सभी के ध्यान को अपनी ओर आकर्षित करता है और शायद यह इसके एक बेहतरीन साल साबित होने का भी संकेत है। उन्होंने आगे लिखा कि कोई संकल्प नहीं लिया है, जिन कामों को करने की आवश्यकता है, उन्हें करना होगा और बेहतर ढंग से करना होगा। दिनचर्या में कोई बदलाव नहीं आना चाहिए, ये अभी एक्सटर्नल फोर्स द्वारा संचालित हो रही हैं। आशावादी बने रहें, खुशियां बिखेरें और लोगों की देखभाल करें। बता दें कि 78 वर्षीय बिग बी ने अपने सत्यापित इंस्टाग्राम अकांउट पर अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स को नए साल के लिए शांति, प्रेम और सद्भाव का संदेश दिया है।

गोवा में मनाया मनोज ने नया साल

अभिनेता मनोज बाजपेयी ने अपनी पत्नी शबाना और बेटी अवा के साथ गोवा में नए साल का स्वागत किया है। हालांकि उन्हें आने वाले नए साल से कोई उम्मीद नहीं है। अभिनेता ने कहा कि पिछले तीन महीनों से सुबह सात बजे से लेकर देर शाम तक काम कर रहा हूं इसलिए मुझे एक छोटा ब्रेक चाहिए था। मैं एक दिन में फिर से वापस लौटूंगा। मेरे परिवार को गोवा में रहना अच्छा लगता है, तो यहीं आ गया। उन्होंने आगे कहा कि नए साल से कोई उम्मीदें नहीं है। बेहतर यही है कि आगे बढ़ते रहे और आने वाले समय को उसके हिसाब से जीते रहे। मैं जिंदगी और किरदारों को अपनी बेहतर क्षमताओं के साथ जीना चाहता हूं। हाल ही में मनोज सूरज पे मंगल भारी में नजर आए। इस फिल्म को अभिषेक शर्मा द्वारा निर्देशित किया गया है। इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ और फातिमा सना शेख जैसे कलाकार भी शामिल रहे हैं। आने वाले समय में वह द फैमिली मैन के दूसरे सीजन में नजर आएंगे।

उर्मिला ने खरीदा नया ऑफिस तो कंगना रनौत ने कसा तंज

काश आपकी तरह समझदार होती तो कांग्रेस को खुश करती..

कंगना रनौत और उर्मिला मातोंडकर के बीच एक बार फिर ट्विटर वार शुरू हो गया है। उर्मिला मातोंडकर के नया ऑफिस खरीदे जाने पर कंगना ने कहा है कि काश मैं भी समझदार होती तो कांग्रेस को खुश करती, बीजेपी को खुश करके बस सारे केस ही हाथ लगे हैं। कंगना रनौत और उर्मिला मातोंडकर के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। शिवसेना में शामिल होने के कुछ दिनों बाद ही उर्मिला मातोंडकर ने मुंबई के खार वेस्ट इलाके में 3 करोड़ से अधिक पैसों में एक ऑफिस खरीदा है। इस खबर पर कंगना रनौत ने चुटकी लेते हुए कहा कि काश मैं इतनी समझदार होती तो कांग्रेस को खुश करती, बीजेपी को खुश करके 25-30 केस ही हाथ लगे हैं।

कंगना रनौत ने अपने ट्विटर पर लिखा, डियर उर्मिला मातोंडकर जी, मैंने जो खुद की मेहनत से घर बनाया वो कांग्रेस तोड़ रही है। सच में बीजेपी को खुश करके मेरे हाथ सिर्फ 25-30 केस ही लगे हैं, काश मैं भी आपकी तरह समझदार होती तो कांग्रेस को खुश करती। कितनी बेवकूफ हूं मैं, नहीं कंगना इस इस ट्वीट के बाद एक और ट्वीट किया जिसमें उन्होंने एक मीम वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में कंगना और उर्मिला के बीच ड्रग्स केस के दौरान हुई ट्विटर वार को दिखाया गया है और उर्मिला मातोंडकर को हंसी उड़ाई गई है।

उर्मिला मातोंडकर ने अब कंगना के इन ट्वीट्स के जवाब में एक वीडियो शेयर कर कहा है, कंगना जी, आप जगह और वक्त का चयन कीजिए, मैं अपने सारे डॉक्युमेंट्स लेकर वहां जरूर पहुंचूंगी। इन डॉक्युमेंट्स में 2011 में, अपनी ज्यादा बड़ी नहीं लेकिन 20- 25 साल के करियर में कड़ी मेहनत के बाद जो फ्लैट मैंने अंधेरी में खरीदा था, उसके पेपर्स होंगे जिसको मैंने मार्च के पहले हफ्ते में बेचा है उसके भी पेपर्स होंगे। उन पैसों से जो मैंने ऑफिस खरीदा है उसके भी पेपर्स होंगे। ये सब मैं आपको दिखाना चाहती हूं। उन्होंने आगे कहा, हम जैसे लाखों टैक्सपेयर्स के पैसों के बदले में आपको आपकी सरकार ने जो वाई प्लस सुरक्षा दी है, क्योंकि आपने उन्हें वादा किया था कि आपके पास कई ऐसे लोगों के नाम हैं जो आप एनसीबी को देना चाहते हैं। जिसका इंतजार आज पूरा देश कर रहा है। मैं बस इतना चाहती हूं कि आप बस वो छोटी सी लिस्ट लेकर आइए। उर्मिला मातोंडकर ने एक और वीडियो जारी कर अपने नए ऑफिस खरीदे जाने की बात बताई। उन्होंने कहा, मार्च के पहले हफ्ते में अंधेरी में स्थित मेरा जो फ्लैट था वो मैंने बेचा और लॉकडाउन के चलते उन पैसों से जो खरीदना था, वो मैं खरीद नहीं पाई। उन पैसों से मैंने ये ऑफिस लिया है। मेरे पास सभी खरीद बिक्री के पेपर्स हैं।

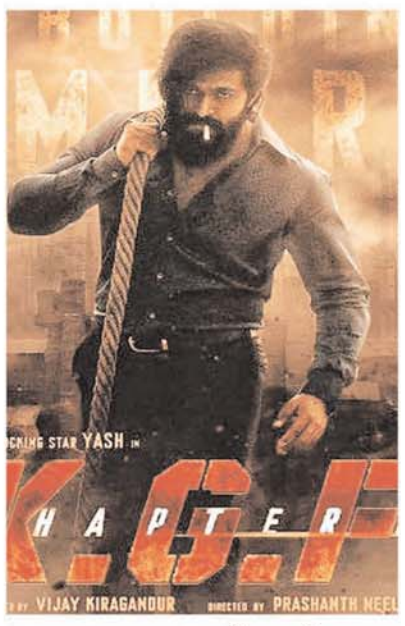

यश स्टारर केजीएफ 2 की शूटिंग खत्म

यश के प्रशंसकों के लिए खुशखबरी, केजीएफ 2 की शूटिंग समाप्त होनेवाली है, जिसमें से केवल एक दृश्य को शूट किया जाना बाकी है। जनवरी के दूसरे सप्ताह तक फिल्म का आखरी शेड्यूल पूरा होने की उम्मीद है। महामारी ने फिल्म की शूटिंग रोक दी थी लेकिन अक्टूबर में फिर से शुरू होने के बाद टीम और यश ने इसे पुरा कर लिया हैं। यश के करीबी सूत्र ने साझा किया, वह अभी काफी समय से क्लाइमैक्स की शूटिंग कर रहे है, नए साल के लिए आखिरी शेड्यूल की योजना बनाई गई थी। यश काम और परिवार के बीच जुंझ रहे थे और जैसे ही लॉकडाउन खत्म हुआ वह और टीम ने शूटिंग के आखिरी शेड्यूल को पुरा करने के लिए बिना रुके काम किया है। मिली जानकारी अनुसार यह सुनिश्चित किया गया था कि हर किसी ने सभी प्रोटोकॉल का पालन किया था और उन सभी ने कड़ी मेहनत कर, खासकर इस कठीन समयों में खास कर इसे पुरा करने में अधिक समय लग सकता था। केजीएफ 2 उस रास्ते पर शुरू होता है जहां भाग 1 ने हमें छोड़ा था। अध्याय 2 में, यश ने संजय दत्त और रवीना टंडन के साथ महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं। परियोजना के अनुसार भाग 2 को प्रदर्शित किया जा सके । इसलिए कलाकारों और क्रू मेंबर्स ने पिछले कुछ महीनों से लगातार काम किया है। फिल्म रिलीज होने का इंतजार अब कम होता जा रहा है। यश अपनी अगली केजीएफ 2 में संजय दत्त के साथ दिखाई देंगे जो फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म 2021 में रिलीज होने की उम्मीद है।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

न्यूज. ब्रीफ

कुलगाम में लश्कर का एक मददगार को दबोचा, मिली बड़ी कामयाबी

जम्मू। भारतीय सुरक्षा बलों ने जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले शनिवार को आतंकवादियों के एक सहयोगी को गिरफ्तार किया। उसके पास से भारी मात्रा में हथियार एवं गोला बारूद बरामद किया गया है। थल सेना के प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि आतंकवादियों के इस सहयोगी को दक्षिण कश्मीर में कुलगाम के हट्टीपुरा इलाके में सुरक्षा बलों के एक तलाश अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किये गये व्यक्ति की पहचान जहूर अहमद भट पुत्र मोहम्मद यूसुफ भट के रूप में हुई है जोकि हट्टीपुरा का निवासी है। उसके पास से एक चीनी पिस्तौल, एक चीनी हथगोला, दो एके मैग्जीन और एक जर्मन कंपास बरामद किया गया। पुलिस ने उसके खिलाफ मामले दर्ज कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है।

जालंधर में घने कोहरे ने रोकी आदमपुर-दिल्ली फ्लाइट रद्द, यात्री परेशान

जालंधर। कड़ाके की ठंड के चलते पंजाब में घने कोहरे की वजह से दोआबा क्षेत्र की इकलौती स्पाइसजेट की फ्लाइट जालंधर के आदमपुर सिविल एयरपोर्ट से राजधानी दिल्ली के लिए लगातार दूसरे दिन भी रद्द हो गई। पिछले दिनों से चल रहे किसान आंदोलन के चलते रेल यातायात और सड़क यातायात प्रभावित होने से हवाई यात्रा की मांग बढ़ रही है, लेकिन कुछ दिनों से दोआबा क्षेत्र की इकलौती स्पाइसजेट की फ्लाइट जालंधर के आदमपुर सिविल एयरपोर्ट से राजधानी दिल्ली के लिए सप्ताह में 3 दिन (शुक्रवार, शनिवार एवं रविवार) ही उड़ान भरती है। इस सप्ताह लगातार दो दिन फ्लाइट राजधानी दिल्ली से नही उड़ान भर पाई है। इस सप्ताह स्पाइसजेट फ्लाइट के लिए अब मात्र रविवार ही उड़ान क लिए शेष बचा है।

सेना दिवस परेड 15 को

नई दिल्ली। सेना दिवस परेड का आयोजन 15 जनवरी, 2021 को करियप्पा परेड ग्राउंड में किया जाएगा। इसके अलावा, गणतंत्र दिवस परेड और बीटिंग द रिट्रीट के लिए 23 जनवरी, 2021 को एक प्रेस वार्ता आयोजित की जाएगी। प्रेस वार्ता के लिए स्थान की जानकारी बाद में दी जाएगी।

|वैक्सीनेशन के लिए बनाए गए बूथ, 57 हजार लोगों को दी गई ट्रेनिंग|

युद्ध स्तर पर की जा रही टीकाकरण की तैयारी

- वोटर लिस्ट के हिसाब से तैयार सूची के आधार पर लगेगी वैक्सीन

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

कोरोना महामारी से निपटने के लिए भारत में युद्ध स्तर पर टीकाकरण की तैयारी की जा रही है। एक्सपर्ट कमेटी की ओर से कोविशील्ड और कोवैक्सीन के इमरजेंसी इस्तेमाल को हरी झंडी मिल चुकी है। इस बीच, कोरोना वैक्सीन के स्टोरेज के बाद देश भर में शनिवार से टीकाकरण की प्रक्रिया के लिए ड्राई रन भी शुरू हो चुका है। जल्दी ही देश में टीकाकरण की शुरूआत की जाएगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार मतदाता सूची के आधार पर तैयार सूची के माध्यम से वैक्सीनेशन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि पोलिंग बूथ की तर्ज पर तैयार किए गए वैक्सीन बूथों पर कर्मचारियों को वैक्सीन लागने की ट्रेनिंग दी जा रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश के 719 जिलों में 57 हजार से अधिक लोगों को ट्रेनिंग दी जा चुकी है। को-विन नाम के डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए लाभार्थियों को ट्रैक किया जाएगा। इस प्लेटफॉर्म पर सभी जानकारी रियल टाइम में अपडेट की जाएंगी। वैक्सीनेशन साइट पर सिर्फ उन्हीं लोगों को टीका लगाया जाएगा जो प्राथमिकता के आधार पर पहले ही रजिस्टर्ड होंगे। वैक्सीनेशन के लिए रजिस्टर्ड फोन नंबर पर एसएमएस के जरिए जानकारी दे दी जाएगी कि आपको किस समय वैक्सीन बूथ पर पहुंचना है। बता दें कि वैक्सीनेशन ड्राइव के लिए को-विन नाम से एक एप बनाया गया है। जिसके जरिए वैक्सीनेशन के लिए रजिस्ट्रेशन की सुविधा मिलेगी। साथ ही वैक्सीनेशन के बाद ई-सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। जिसमें ऑब्जर्वेशन रूम वह जगह होगी, जहां टीका लगवाने के बाद लाभार्थी को 30 मिनट इंतजार करना होगा। इस कमरे में पीने के पानी और टॉयलेट की सुविधा भी रहेगी। टीकाकरण यानी वैक्सीनेशन के बाद 30 मिनट निगरानी में रहना होगा, जिससे देखा जा सके कि कोई प्रभाव तो नहीं पड़ा। उल्लेखनीय है कि देश भर के राज्यों में वैक्सीन के स्टोरेज, वितरण और टीकाकरण को लेकर मास्टर प्लान तैयार है। जिसमें कोल्ड चेन, स्टोरेज प्वाइंट जैसे बंदोबस्त किए जा चुके हैं। कोरोना वैक्सीन के लिए कोल्ड चेन को पल्स पोलियो वैक्सीन के लिए बनाई गई कोल्ड चेन की तर्ज पर तैयार किया गया है। जबकि वैक्सीन बूथों को वोटिंग बूथ की तर्ज पर बनाया गया है। स्वास्थ्य विभाग वैसे तो सभी देशवासियों के लिए टीका उपलब्ध कराएगा, लेकिन सबसे पहले 30 करोड़ लोगों को टीका लगाया जाएगा। प्राथमिकता के आधार पर सबसे पहले स्वास्थ्य कार्यकताओं, अग्रिम पंक्ति के लोगों और वरिष्ठ नागरिकों को वैक्सीन देने की तैयारी की गई है। पोलिंग बूथ के आधार पर वैक्सीन बूथ बनाकर वैक्सीनेशन किया जाएगा।

गर्भ में पहले से ही पल रहे थे जुड़वा, फिर भी तीसरे बच्चे के लिए गर्भवती हुई महिला

लंदन ■ एजेंसी

स्त्री का मां बनने का अनुभव ही उसे मातृत्व के शीर्ष पर पहुंचाता है और अगर प्रसूता के गर्भ में पहले से जुड़वा हो और फिर वह उसी दौरान तीसरे बच्चे के लिए भी गर्भ धारण करले तो इसे मातृत्व की पराकाष्ठा कहा जाए तो अतिशयोक्ति ही कहा जाएगा। कुछ ऐसा ही मामला ब्रिटेन में सामने आया है। दरअसल एक मां के गर्भ में पहले से ही जुड़वा बच्चे पल रहे थे और अब उसके गर्भ में तीसरा बच्चा भी आ गया है। पहले से गर्भ में पल रहे दोनों बच्चे तीसरे बच्चे से 10 और 11 दिन बड़े हैं। तीसरे बच्चे के गर्भधारण के बाद महिला बहुत प्रसन्न है और तीनों बच्चों को एक साथ जन्म देना चाहती है। यह गर्भवती मां अपनी डबल प्रेगनेंसी की अविश्वसनीय यात्रा के हर क्षण को टिकटाक पर सहेज कर रख रही है। इस महिला की स्थिति को मेडिकल भाषा में सुपरफेटेशन के रूप में जाना जाता है। सुपरफेटेशन तब होता है जब पहले से फर्टिलाइज्ड अंडा मां के गर्भाशय में पल रहा हो और इस दौरान गर्भवती स्त्री का अंडा फिर से किसी स्पर्म द्वारा फर्टिलाइज हो जाए। जब एक और अंडे को शुक्राणु द्वारा निषेचित किया जाता है और पहले एक के बाद गर्भ के दिनों या हफ्तों में प्रत्यारोपित किया जाता है। इसके परिणामस्वरूप दूसरी गर्भावस्था होती है। यह पता करने के लिए कि यह सुपरफेटेशन है और कुपोषित बच्चा नहीं है, डॉक्टर हर दो हफ्ते में इस महिला का अल्ट्रासाउंड कर रहे हैं।

मिशिगन की ऑब्स्टेट्रिशन कॉनी हेडमार्क कहती हैं, 'प्रेग्नेंसी हॉर्मोन्स आमतौर पर महिला के प्रजनन संबंधी व्यवस्था को पूरी तरह से बंद कर देते हैं जिस वजह से गर्भावस्था के दौरान उसके ऑव्यूलेट यानी अण्डोत्सर्ग करने की संभावना पूरी तरह से समाप्त हो जाती है। यही वजह है कि सुपरफिटेशन को विशिष्ट और अनूठी घटना माना जाता है।' इस महिला ने भी एक वीडियो में बताया उसने कहा कि उसने प्राकृतिक रूप से गर्भधारण किया है। उसने किसी प्रजनन क्षमता वाले ड्रग्स नहीं लिए थे।

अफ्रीकी देश नाइजर में आतंकी हमले में 56 लोगों की मौत

नियामे ■ एजेंसी

अस्थिरता से गुजर रहे अफ्रीकी देश नाइजर में एक आतंकवादी हमले में 56 लोगों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, आतंकवादियों ने माली की सीमा पर स्थित एक गांव पर हमला कर 56 लोगों की हत्या कर दी। इस हमले में 20 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। हमले वाले इलाके में हिंसा और गृहयुद्ध के कारण साल 2017 से ही आपातकाल लगा हुआ है। नाइजर के अधिकारियों ने बताया है कि आतंकवादियों ने दो गांवों को निशाना बनाया है। इस हमलें में मरने वाले लोगों की तादाद 70 से भी अधिक हो सकती है।

आतंकवादियों ने नाइजर के जिन दो गांवों पर हमला बोला वे टिल्लाबेरी इलाके के चोमोबांगोऊ और जारोमदारेय के नाम से जाने जाते हैं। यह गांव माली की सीमा के पास स्थित है। नाइजर की सरकार का आरोप लगाती रहती है कि माली के सशस्त्र गुट उसकी राज्य की सीमा में घुसकर आतंकी वारदातों को अंजाम देते हैं। हालांकि, इस हमले पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इस क्षेत्र में अल कायदा और इस्लामिक स्टेट से जुड़े कई आतंकी संगठन सक्रिय हैं। नाइजर के पास स्थित नाइजीरिया में 27 दिसंबर को बोरनो प्रांत में आतंकी संगठन बोको हराम के हमले में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई थी। बोरनो प्रांतीय सरकार के मुताबिक हमलावरों ने चार गांवों को निशाना बनाया था। आतंकियों ने सबसे पहले अजारे नगर में हमला किया, जहां सरकारी कार्यालयों और पुलिस थानों को निशाना बनाया गया। इस दौरान सैनिकों और हमलवारों के बीच भीषण गोलीबारी हुई। इसके बाद हमलावरों ने शफ्फा में भी हमले किए।

धौलपुर में है दिन में तीन बार रंग बदलने वाला शिवलिंग, वर्षों से रहस्य बरकरार

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

भगवान शंकर को देवों के देव महादेव भी कहते हैं। भगवान शिव के अलौकिक चमत्कारों का उल्लेख पौराणिक कथाओं में भी मिलता है। भगवान शिव के हजारों मंदिर हैं देश में जो चमत्कारों से भरे हुए हैं। जिनका आज तक रहस्य नहीं सुलझ पाया है। ऐसा ही एक मंदिर है अचलेश्वर महादेव मंदिर में जो वैज्ञानिकों के लिए चुनौती बना हुआ है। राजस्थान की रेतीली धरती में कई रहस्य दफन हैं। यहां धौलपुर में स्थित अचलेश्वर महादेव के मंदिर में भगवान शिव का अद्भुत चमत्कार देखा जा सकता है। इस मंदिर का शिवलिंग दिन में 3 बार रंग बदलता है। यह शिवलिंग देखने में बिल्कुल आम है, लेकिन इसके बदलते हुए खूबसूरत रंग सभी को हैरान कर देते हैं। गौरतलब है कि यह शिवलिंग दिन में 3 बार अपना रंग बदलता है। इसके पीछे के रहस्य को सुलझाना वैज्ञानिकों के लिए चुनौती बन गई है। बता दें कि इस शिवलिंग का रंग सुबह के समय लाल होता है। दोपहर के समय इसका रंग केसरिया में बदल जाता है। रात होते होते ही ये श्याम रंग का हो जाता है। सबसे बड़ी बात ये है कि इसका अंतिम छोर कहा है इसके बारे में आज तक कोई नहीं जान पाया। स्थानीय निवासी बताते हैं कि अब तक इस शिवलिंग की जड़ तक कोई नहीं पहुंच पाया है। ये शिवलिंग धरती में बेहद गहराई से जुड़ा हुआ है। इसका पता लगाने के लिए एक बार इसकी खुदाई का काम भी किया गया। कई दिनों तक खुदाई के बाद भी लोग इसके अंतिम छोर तक नहीं पहुंच पाए और इसके बाद खुदाई का काम रोक दिया गया। इस अद्भुत अचलेश्वर महादेव मंदिर में लोगों की काफी श्रद्धा है। कहते हैं कि इस रहस्यमयी शिवलिंग के दर्शन करने मात्र से इंसान की सभी इच्छाएं पूरी होती है और जीवन की सभी तरह की तकलीफ दूर हो जाती हैं। यहां आने वाले भक्त मनचाहे जावन साथी की कामना करते हैं। कहते हैं कि अगर कोई अविवाहित अपने प्रियतम की मन में मुराद लेकर इस शिवलिंग के दर्शन कर ले तो उनकी कामना पूर्ण हो जाती है।

एक नजर इधर भी

गाजा शहर में कोरोना वायरस संक्रमण रोकने लगाये गये लॉकडाउन के दौरान तैनात एक पुलिसकर्मी।

प्रियंका गांधी ने कहा, 57 किसानों की जान गई, सैकड़ों बीमार

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने किसानों की मांग को लेकर केंद्र सरकार के रवैये पर सवाल उठाया है। साथ ही आंदोलन के दौरान होने वाली मौत पर सरकार को असंवेदनशील ठहराया है। प्रियंका ने ट्वीट कर कहा कि सर्द मौसम में दिल्ली बॉर्डर पर बैठे किसान भाइयों की मौत की खबरें विचलित करने वाली हैं। मीडिया खबरों के मुताबिक अभी तक 57 किसानों की जान जा चुकी है और सैकड़ों बीमार हैं। उनका कहना है कि महीने भर से अपनी जायज मांगों के लिए बैठे किसानों की बातें न मानकर सरकार घोर असंवेदनशीलता का परिचय दे रही है।

भारत ने फिजी को भेजी राहत सामग्री

नई दिल्ली। फिजी में आए भीषण चक्रवात से प्रभावितों की मदद के लिए भारत ने राहत सामग्री भेजी है। यहां के लोगों के लिए छह टन से अधिक राहत सामग्री भेजी गई है। इससे दोनों देशों के बीच करीबी संबंधों का पता चलता है। विदेश मंत्रालय ने कहा, ह्यह्यचक्रवात प्रभावित लोगों के लिए भारत से राहत सामग्री की पहली खेप आज फिजी पहुंची। दूसरी खेप छह जनवरी तक पहुंचने वाली है। मंत्रालय ने कहा कि प्रथम प्रतिक्रिया देने वाले देश के तौर पर मित्र देशों को मानवीय सहायता एवं आपदा राहत सहयोग मुहैया करने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत भारत ने राहत सामग्री भेजी है।

पाकिस्तान में हिंदू मंदिर पर तोड़फोड़ करने के आरोप में दस और लोग गिरफ्तार

पेशावर ■ एजेंसी

पाकिस्तान में हिंदू अल्पसंख्यकों के साथ बढ़ते अत्याचार के बीच खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक कट्टरपंथी इस्लामिक पार्टी के सदस्यों की अगुवाई में उन्मादी भीड़ ने एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की घटना में शामिल होने के आरोप में पुलिस ने रात भर की गई छापेमारी के दौरान दस और लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार किये गये आरोपियों की संख्या बढ़कर 55 हो गई है। खैबर पख्तूनख्वा में करक जिले के टेरी गांव में कुछ लोगों ने बुधवार को मंदिर के विस्तार कार्य के खिलाफ उसमें तोड़फोड़ की और आग लगा दी थी। इस घटना के सिलसिले में दर्ज की गई प्राथमिकी में 350 से अधिक लोगों के नाम हैं। प्राथमिकी में जिन अन्य आरोपियों के नाम हैं, उनकी तलाश की जा रही है। इस मंदिर में एक हिंदू धार्मिक नेता की समाधि थी। मंदिर की दशकों पुरानी इमारत के जीर्णोद्धार के लिए हिंदू समुदाय ने स्थानीय अधिकारियों से अनुमति ली थी। कुछ स्थानीय मौलवियों और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम पार्टी के समर्थकों की अगुवाई में भीड़ ने पुराने ढांचे के साथ-साथ नए निर्माण कार्य को ध्वस्त कर दिया। मानवाधिकार कार्यकताओं और अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के नेताओं ने मंदिर पर हमले की कड़ी निंदा की है। भारत ने भी मंदिर में तोड़फोड़ की घटना को लेकर पाकिस्तान के समक्ष विरोध दर्ज कराया और इस घटना के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किये जाने की मांग की है।

कोरोना-स्ट्रेन को अलग करने वाला पहला देश बना भारत!

- ब्रिटेन में सामने आए स्ट्रेन का भारत ने सफलतापूर्वक कल्चर किया

लंदन ■ एजेंसी

ब्रिटेन व अमेरिका में कोरोना के नए स्ट्रेन के बढ़ते कहर के बीच भारत ने वायरस के बदले रूप को लेकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। भारत को ब्रिटेन में पाए गए कोरोना के नए स्ट्रेन को अलग करने में बड़ी सफलता मिली है।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने इसकी जानकारी दी। इसके साथ भारत यह उपलब्धि हासिल करने वाला दुनिया का अकेला देश बन गया है। आईसीएमआर ने ट्वीट कर कहा कि ब्रिटेन में सामने आए कोरोना वायरस के नए प्रकार का भारत ने सफलतापूर्वक कल्चर किया है। कल्चर एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके तहत कोशिकाओं को नियंत्रित परिस्थितियों के तहत उगाया जाता है और आमतौर पर उनके प्राकृतिक वातावरण के बाहर ऐसा किया जाता है। आईसीएमआर ने एक ट्वीट में दावा किया कि किसी भी देश ने ब्रिटेन में पाए गए सार्स-कोव-2 के नए प्रकार को अब तक सफलतापूर्वक पृथक या कल्चर नहीं किया है।

आईसीएमआर ने कहा कि वायरस के ब्रिटेन में सामने आए नए प्रकार को सभी स्वरूपों के साथ राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान में अब सफलतापूर्वक पृथक यानी अलग और कल्चर कर दिया गया है। इसके लिए नमूने ब्रिटेन से लौटे लोगों से एकत्र किए गए थे। बता दें कि ब्रिटेन ने हाल ही में घोषणा की थी कि वहां लोगों में वायरस का एक नया प्रकार पाया गया है जो 70 प्रतिशत तक अधिक संक्रामक है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने हाल ही में कहा था कि सार्स-कोव-2 के इस नए स्ट्रेन से भारत में अब तक कुल 29 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है।

निधन ➤ ऑस्टिन का वजन कभी 412 किलो था, लेकिन हाल में उन्होंने अपना वजन कुछ कम किया था

फैटी बैरी ऑस्टिन हर दिन 12 लीटर कोल्ड ड्रिंक और 115 समोसे का करते थे सेवन, खाते-खाते ही हुई मौत

लंदन ■ एजेंसी

कई बार बेडौल शरीर भी चर्चा का विषय बन जाता है। ब्रिटेन के सबसे मोटे आदमी का तमगा पा चुके 52 साल के बैरी ऑस्टिन भी ऐसे शख्स है उनका निधन हो गया है। बैरी के बारे में कहा जाता है कि वह दिन भर में 29 हजार कैलोरीज का खाना खाते थे। 1 डीप फ्राइड समोसे में 252 कैलोरीज होते हैं। ऐसे में ऑस्टिन हर दिन 115 समोसे खाते थे। उनकी डाइट में हर दिन 12 लीटर कोल्ड ड्रिंक भी शामिल होती थी। अपने मोटापे की वजह से चर्चा में आए बैरी की मौत की खबर बर्मिंघम सिटी के ऑफिशियल ट्विटर पेज पर शेयर की गई। बैरी की बेटी ने उनकी मौत की खबर को शेयर करते हुए लिखा कि ऑस्टिन के जाने से पूरे परिवार का दिल टूट गया है। उनकी बेटी डैनिएल ने बताया कि बैरी वजन घटाने के बाद अपने पैरों को लेकर काफी परेशान थे। बैरी की मौत की असल वजह का तो अभी पता नहीं चल पाया है लेकिन कहा जा रहा है कि हार्ट अटैक से उनकी मौत हुई है।

ऑस्टिन का वजन कभी 412 किलो था, लेकिन हाल में उन्होंने अपना वजन कुछ कम किया था। उनका वजन इतना ज्यादा हो गया था कि वह अपने बिस्तर से उठ तक नहीं पाते थे। इसके बाद ही बैरी ने वजन कम करने का फैसला किया था। बैरी पहले पेशे से कैब चालक थे। उन्हें अपने क्रिसमस लंच भी बेड पर ही खाना पड़ता था क्योंकि वह अपने परिवार के साथ बैठकर खाना नहीं खा सकते थे। उनकी पार्टनर डेबी ने बताया कि उन्होंने अपना क्रिसमस शानदार तरीके से मनाया था। इस दिन डेबी ने फैमिली के लिए टर्की बनाया था लेकिन बर्मिंघम के अपने घर पर बैरी अचानक गिर गए और 1 जनवरी को उनकी मौत हो गई। सबसे दुखद ये था कोविड 19 को लेकर लगाई गई रोक की वजह से ऑस्टिन की मौत के वक्त उनकी पार्टनर डेबी वहां मौजूद नहीं थीं। हाल के दिनों में बैरी को सांस लेने में दिक्कत और इंफेक्शन की समस्या हो गई थी। बैरी ऑस्टिन की खाने की आदतों की वजह से वह यूके के एक टीवी शो में भी नजर आ चुके थे। लेकिन वजन कम करने के बाद उनसे सबसे मोटे आदमी का तमगा छीन लिया गया था। वह पेशे से कैब ड्राइवर थे और साल 2012 में अपनी मंगेतर के लिए उन्होंने करीब 127 किलो वजन घटाया था। साल 1997 बर्मिंघम के एफसी फुटबॉल ग्राउंड में उनके लिए एक खास कुर्सी लगवाई गई थी जिससे वो वहां बैठकर मैच देख सकें।

न्यूज. ब्रीफ

नंबर 1 पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी मोमोता कोरोना से संक्रमित, थाईलैंड ओपन से हटे

टोक्यो। दुनिया के नंबर एक पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी जापान के केंटो मोमोता रविवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। जापान बैडमिंटन संघ ने बताया कि मोमोता के कोरोना संक्रमित होने के बाद जापानी खिलाड़ी इस महीने होने वाले थाईलैंड ओपन में नहीं खेलेंगे। थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट का आयोजन 12 जनवरी से होना है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मोमोता का जापान टीम के अन्य सदस्यों के साथ थाईलैंड रवाना होने से पहले नरिता हवाई अड्डे पर टेस्ट किया गया था जिसमें वह पॉजिटिव पाए गए। हालांकि टीम का कोई अन्य खिलाड़ी इससे संक्रमित नहीं पाया गया है। इस बीच जापान बैडमिंटन संघ ने इस टूर्नामेंट में किसी भी खिलाड़ी को नहीं भेजने का फैसला किया है। जापानी टीम को इस महीने थाईलैंड ओपन के बाद विश्व टूर फाइनल्स में भी हिस्सा लेना था।

चोटिल लक्ष्य थाईलैंड में होने वाली दो प्रतियोगिताओं से हटे

नयी दिल्ली। भारत के उभरते हुए बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन ट्रेनिंग के दौरान पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण थाईलैंड में होने वाली दो प्रतियोगिताओं से हट गए हैं। बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 100 टूर्नामेंट सारलोरलक्स ओपन और डच ओपन सहित 2019 में सीनियर सर्किट में पांच खिताब जीतने वाले 19 साल के लक्ष्य को पीठ की चोट के बाद डॉक्टरों ने आराम की सलाह दी है। पूर्व भारतीय कोच विमल कुमार ने पीटीआई से कहा, दुर्भाग्य से लक्ष्य ट्रेनिंग के दौरान पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण थाईलैंड में दो प्रतियोगिताओं में नहीं खेल पाएगा। थाईलैंड 12-17 जनवरी और 19-24 जनवरी के बीच दो सुपर 1000 प्रतियोगिताओं की मेजबान करेगा। पृथकवास से जुड़े नियमों के कारण लक्ष्य दूसरे टूर्नामेंट में भी हिस्सा नहीं ले पाएंगे। पूर्व भारतीय कोच विमल ने कहा, खिलाड़ियों को चार जनवरी तक बैंकॉक पहुंचना है और फिर एक हफ्ते तक पृथकवास में रहना है और इसके बाद ही वे टूर्नामेंट में हिस्सा ले जाएंगे। इसलिए इस बार वह नहीं खेल पाएगा। इस बीच ओलंपिक में जगह बनाने के दावेदार साइना नेहवाल, बी साई प्रणीत और किदांबी श्रीकांत की मौजूदगी वाली भारतीय टीम दो विश्व टूर सुपर 1000 टूर्नामेंटों में हिस्सा लेने के लिए रविवार को थाईलैंड के लिए रवाना हो गई।

2021 के परिणाम तय करेंगे रोजर फेडरर का करियर

बासेल। वर्ष 2021 के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन से हट चुके 20 ग्रैंड स्लैम खिताबों के विजेता स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर के लिए 2021 के परिणाम उनके करियर को तय करेंगे। फेडरर 2020 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में सेमीफाइनल में हारे थे जो पिछले वर्ष उनका आखिरी प्रतियोगी मैच था। फेडरर ने पिछले साल दो बार दाएं घुटने की सर्जरी करायी थी और फिर वह पूरे साल ही कोर्ट से बाहर रहे थे। कोरोना के कारण मार्च से लेकर अगस्त तक टेनिस सत्र बाधित रहा था लेकिन अगस्त के मध्य में टेनिस की वापसी हुई और फिर यूएस ओपन, फ्रेंच ओपन और एटीपी वर्ल्ड टूर फाइनल्स जैसे बड़े टूर्नामेंटों का आयोजन हुआ। इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन विलंब से शुरू हो रहा है और इसका आयोजन आठ से 21 फरवरी तक होगा। ऑस्ट्रेलियन ओपन ने दिसंबर के आखिरी में विज्ञप्ति जारी कर बताया था कि छह बार के चैंपियन फेडरर 2021 के ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा नहीं लेंगे।

श्रीसंथ की खेल मैदान पर वापसी

नई दिल्ली। मैच फिक्सिंग मामले में प्रतिबंध हटने के बाद टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज श्रीसंथ ने एक बार फिर मैदान पर वापसी की है। प्रतिबंध हटने के बाद से ही श्रीसंथ ने घरेलू क्रिकेट खेलने का फैसला किया था। इसी के तहत वह सैय्यद मुश्ताक अली ट्रॉफी से वापसी करने जा रहे हैं। इसमें श्रीसंथ केरला की ओर से खेल रहे हैं। सत्र की शुरूआत जनवरी के दूसरे सप्ताह से होनी है, ऐसे में सभी टीमें अभ्यास मैच खेलकर लय हासिल करने का प्रयास कर रही हैं। श्रीसंथ का लक्ष्य अब घरेलू क्रिकेटरों में अच्छा प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं को प्रभावित करना रहेगा। अभ्यास मैच के दौरान श्रीसंथ को जब पहली विकेट मिली तो वह आऊट होने वाले खिलाड़ी के सम्मान में खड़े हो गए और हाथ जोड़कर अभिवादन किया। वहीं कुछदेर बात ही जब उन्हें एक और विकेट मिली तो वह जोर से बोलते हुए दिखे।

बेड को ब्रिस्बेन में चौथा टेस्ट होने की उम्मीदें

सिडनी। टीम इंडिया जहां फिर से क्वारंटीन के खतरे को देखते हुए ब्रिस्बेन नहीं जाना चाहती। वहीं ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मैथ्यू वेड ने कहा कि उन्हें पूरी उम्मीद है कि चौथा टेस्ट ब्रिस्बेन में ही होगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा कि इस मामले पर उनसे औपचारिक रूप से संपर्क नहीं किया गया है। मगर दोनों बोर्ड हर दिन बात करते हैं। वेड ने कहा कि मैंने इस बारे में नहीं सुना, लेकिन हम निश्चित तौर पर सिडनी में लगातार दो मैच नहीं खेलना चाहेंगे। कार्यक्रम तय हो चुका है और हम उसी अनुसार चलना चाहेंगे। भले ही वह क्वारंटीन से जुड़ा होटल हो तो फिर मैदान पर जाओ, खेलो और वापस आ जाओ। उन्होंने कहा कि हम ब्रिस्बेन जाकर गाबा टेस्ट खेलने की पूरी उम्मीद कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया और भारतीय टीम तीसरे टेस्ट मैच के लिए सोमवार को सिडनी के लिए उड़ान भरेंगी। तीसरा टेस्ट 7 जनवरी से यहां शुरू होगा। इसके लिए आखिरी मैच के लिए दोनों टीमें क्वींसलैंड रवाना होगी।

कायेल जेमीसन के आगे पाकिस्तान ने टेके घुटने

अजहर अली न्यूजीलैंड में पहले शतक से चूके

क्राइस्टचर्च ■ एजेंसी

न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा और आखिरी मैच रविवार (3 जनवरी) से क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल में खेला जा रहा है। मैच के पहले दिन पाकिस्तान की पूरी टीम पहली पारी में 297 रनों पर सिमट गई। उसके लिए पहली पारी में पूर्व कप्तान अजहर अली 93 रन बनाकर आउट हो गए। वे न्यूजीलैंड में पहला शतक लगाने से चूक गए। दूसरी ओर, किवी गेंदबाज कायेल जेमीसन ने मेहमान टीम पर कहर बरपाया। उन्होंने 5 विकेट चटकाए।

पाकिस्तान के लिए पारी में अजहर के अलावा कप्तान मोहम्मद रिजवान ने 61 और फहीम अशरफ ने 48 रनों की पारी खेली। अजहर ने करियर का 32वां अर्धशतक लगाया। वे 18वें और न्यूजीलैंड में पहले शतक से चूक गए। 93 रन अजहर का न्यूजीलैंड में उच्चतम स्कोर है। इससे पहले वो 15 जनवरी 2011 को वेलिंगटन में 67 और 25 नवंबर 2016 को हैमिल्टन में 58 रन बनाकर आउट हुए थे। अजहर अपने करियर में कुल चार बार 90 से 99 रन के बीच रह गए। 2010 में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 92 रन, 2010 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 90 रन और 2016 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 91 रन बनाए थे।

पाकिस्तान के लिए डेब्यू करने वाले जफर गौहर ने 34, आबिद अली ने 25 और नसीम शाह ने 12 रन बनाए। इनके अलावा टीम के 5 बल्लेबाज दहाई के आंकड़े को नहीं छू सके। ओपनर शान मसूद 0, हारिस सोहेल 1, फवाद आलम 2 और शाहीन अफरीदी 4 रन बनाकर आउट हुए। मोहम्मद अब्बास खाता खोले बगैर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड के लिए जेमीसन के अलावा टिम साउदी और ट्रेंट बोल्ट ने 2-2 विकेट लिए। मैट हेनरी को एक सफलता मिली। अजहर अली तीसरे ओवर में ही क्रीज पर आ गए थे जब टिम साउदी ने शान मसूद (शून्य) को आउट कर दिया था। उन्होंने पारी संवारने का काम किया और अपने करियर का 32वां अर्धशतक पूरा किया। अजहर ने आबिद अली (25) के साथ दूसरे विकेट के लिए 62 रन जोड़े, लेकिन इसके बाद जेमीसन ने कहर बरपाया। उन्होंने इनस्विंगर पर आबिद को आउट किया तथा फिर हारिस सोहेल (एक) और फवाद आलम (दो) को भी पवेलियन भेजा। रिजवान और अजहर ने पांचवें विकेट के लिए 88 रन जोड़े।

पाकिस्तानी गेंदबाज के निकले आंसू

कप्तान के आउट होने के बाद क्रीज पर फहीम अशरफ उतरे। फहीम जब चार रन पर थे तब मैट हेनरी की गेंद पर रोस टेलर ने स्लिप में उनका कैच छोड़ा था। उसके बाद अशरफ ने संभलकर खेला। उन्होंने अजहर अली के साथ छठे विकेट के लिए 56 रनों की साझेदारी की। अली को मैट हेनरी ने जबकि अशरफ को जेमीसन ने आउट किया। जेमीसन ने टेस्ट क्रिकेट में तीसरी बार पारी में पांच विकेट चटकाया है। न्यूजीलैंड पहला टेस्ट मैच 101 रन से जीतकर दो मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे चल रहा है।

जेमीसन ने लिए पांच विकेट

इससे पहले न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। कीवी गेंदबाज ने टिम साउथी ने कप्तान का फैसला सही साबित करते हुए शान मसूद को बिना खाता खोले ही आउट कर दिया। इसके बाद अनुभवी अजहर अली ने पारी संवारने का काम किया और अपने करियर का 32वां अर्धशतक पूरा किया। अजहर ने आबिद अली (25) के साथ दूसरे विकेट के लिए 62 रन जोड़े लेकिन इसके बाद जेमीसन ने कहर बरपाया। उन्होंने इनस्विंगर पर आबिद को आउट किया और फिर हारिस सोहेल (एक) और फवाद आलम (दो) को भी पवेलियन भेजा। जेमीसन ने दूसरे सेशन में मोहम्मद रिजवान को आउट करके अपना चौथा विकेट लिया।

| सिडनी टेस्ट से पहले विवाद : रोहित समेत 5 आइसोलेटेड प्लेयर्स टीम के साथ ही जाएंगे |

क्वींसलैंड सरकार ने कहा- ब्रिस्बेन तभी आएं, जब नियम मानने हों

मेलबर्न ■ एजेंसी

टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट मैच सिडनी में 7 जनवरी से है। जबकि चौथा मैच ब्रिस्बेन में होना है। फिलहाल चार टेस्ट मैचों की सीरीज 1-1 की बराबरी पर है। भारत का ऑस्ट्रेलिया टूर नियम-कायदों को लेकर विवादों में आ गया है। विवाद दो हैं। पहला- रोहित शर्मा, शुभमन गिल, पृथ्वी शॉ, ऋषभ पंत और नवदीप सैनी पर बायो बबल तोड़ने का आरोप लगा है और जांच चल रही है। दूसरा- टीम इंडिया कोरोना के सख्त नियमों की वजह से ब्रिस्बेन में चौथा टेस्ट नहीं खेलना चाहती है। इस बीच खबर यह है कि बायो बबल तोड़ने का आरोप झेल रहे पांचों खिलाड़ी टीम के साथ ही सोमवार को सिडनी रवाना होंगे, जहां तीसरा टेस्ट खेला जाना है। उधर, क्वींसलैंड सरकार ने सख्त लहजे में हिदायत दी है कि अगर नियमों के हिसाब से चलना हो, तो ही टीम इंडिया ब्रिस्बेन में चौथा टेस्ट खेलने क लिए आए।

भारतीय टीम को प्रोटोकॉल फॉलो करने की नसीहत क्वींसलैंड सरकार के शेडो हेल्थ मिनिस्टर रॉस बैट्स और स्पोर्टस मिनिस्टर टिम मैंडर ने दी है। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया के राज्यों में विपक्ष के भी मंत्री होते हैं जो सरकार के मंत्रियों के कामकाज पर नजर रखते हैं। इन्हें विपक्ष का नेता अपॉइंट करता है।

यानी विपक्षी द्वारा तय किए गए मंत्रियों को शेडो मिनिस्टर कहा जाता है। बेट्स ने फॉक्स स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा कि क्वींसलैंड गवर्नमेंट प्रोटोकॉल नियमों की पालन नहीं करने पर टीम इंडिया को इंट्री नहीं करने देगी।

अगर टीम इंडिया नियमों का पालन नहीं करना चाहती है, तो वह न आए। इससे पहले रिपोर्ट्स में दावा किया गया था भारतीय टीम क्वारैंटाइन नियमों के कारण ब्रिस्बेन में नहीं खेलना चाहती है, क्योंकि वहां खिलाड़ियों को ट्रेनिंग के अलावा बाहर जाने की इजाजत नहीं होगी। वहीं, मैंडर ने कहा कि किसी के लिए भी नियम में बदलाव नहीं किया जा सकता है। सभी को नियमों का पालन करना होगा। अगर टीम इंडिया क्वारैंटाइन नियमों का पालन नहीं करना चाहती है, तो उसे नहीं आना चाहिए।

रोहित समेत पांचों खिलाड़ी सिडनी पहुंचेंगे

इसके बावजूद भारतीय टीम रोहित शर्मा समेत पांचों खिलाड़ियों के साथ सिडनी पहुंचेगी, जहां भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट 7 जनवरी से खेला जाना है। इन पांचों प्लेयर्स पर बायो-बबल नियम तोड़ने के आरोपों की जांच चल रही है। चार टेस्ट मैचों की सीरीज का आखिरी मैच 15 जनवरी से ब्रिस्बेन में खेला जाना है। उधर, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकले ने पिछले हफ्ते स्पष्ट किया था कि एक के बाद एक सिडनी में मैच कराना संभव नहीं है। क्योंकि चार दिनों में दूसरी टेस्ट पिच तैयार नहीं की जा सकती है।

सीरीज 1-1 की बराबरी पर

चार टेस्ट मैचों की सीरीज में अब तक ऑस्ट्रेलिया और भारत ने एक- एक मैच जीते हैं। पहला टेस्ट मैच ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट से जीता था। वहीं, बॉक्सिंग टेस्ट मैच में टीम इंडिया ने शानदार वापसी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 8 विकेट से हराया था। इससे पहले शनिवार को टीम के वाइस कैप्टन रोहित शर्मा, पृथ्वी शॉ, शुभमन गिल, नवदीप सैनी, ऋषभ पंत कोरोना प्रोटोकॉल नियम तोड़ने के कारण टीम से अलग आइसोलेट कर दिए गए हैं। इन्होंने रेस्टोरेंट में जाकर खाना खाया था। जबकि कोरोना प्रोटोकॉल के तहत प्लेयर्स इंडोर में खाना नहीं खा सकते हैं। वीडियो वायरल होने के बाद सीए और बीसीसीआई ने जांच शुरू कर दी है। अगर जांच के बाद इन खिलाड़ियों पर प्रोटोकॉल तोड़ने का आरोप सही पाया जाता है, तो वे तीसरा टेस्ट मैच नहीं खेल पाएंगे।

सिडनी में जीते तो रहाणे के नाम दर्ज होगा बड़ा रिकॉर्ड

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में चार मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा मैच खेला जाएगा। इस मैच में अगर भारतीय टीम जीत दर्ज करती है और अजिंक्य रहाणे के नाम बड़ा रिकॉर्ड दर्ज हो जाएगा। यदि रहाणे की कप्तानी में भारतीय टीम सिडनी में खेला जाने वाला टेस्ट मैच जीतती है तो वह 43 वर्षों में इस मैदान पर जीतने वाली पहली टीम बन जाएगी। इस मामले में वह विराट कोहली, महेंद्र सिंह धोनी, राहुल द्रविड़, अनिल कुंबले और सौरव गांगुली को भी पीछे छोड़ देंगे। भारत ने इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया को एकमात्र बार जनवरी 1978 में हराया था जब बिशन सिंह बेदी की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने बॉब सिम्पसन की कप्तानी वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को पारी और दो रन से पराजित किया था। उसके बाद से भारत इस मैदान पर कोई मुकाबला नहीं जीत पाया है। यह दिलचस्प है कि भारत ने 1978 में जब जीत हासिल की थी तो सिडनी टेस्ट सात जनवरी से शुरू हुआ था और इस बार भी सीरीज का सिडनी टेस्ट सात जनवरी से शुरू हो रहा है। इस मैदान पर दोनों टीमों के इतिहास में इन दो टेस्टों को छोड़कर अन्य कोई मुकाबला 7 जनवरी से शुरू नहीं हुआ है। सिडनी में टेस्ट क्रिकेट की शुरूआत 1882 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच मुकाबले से हुई थी। भारत ने सिडनी में अपना पहला टेस्ट 1947 में आजादी हासिल करने के बाद दिसंबर में खेला था। यह मैच ड्रॉ रहा था।

इंडिया-ऑस्ट्रेलिया पिंक कलर में खेलेंगी टेस्ट

सिडनी। भारतीय टीम और ऑस्ट्रेलिया के बीच 7 जनवरी से सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में टेस्ट मैच होना है। दोनों टीमें इस मैच में पिंक कलर में रंगी नजर आएंगी। दरअसल, 2009 से सिडनी में खेला जाने वाला साल का पहला टेस्ट पिंक मैच कहलाता है। यह डे-नाइट नहीं होता है, बल्कि इसमें टीमें गुलाबी रंग के साथ मैदान में उतरती हैं। 2019 का पिंक टेस्ट भी भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच ही खेला गया था, जो ड्रॉ रहा था। इसमें भारतीय कप्तान विराट कोहली पिंक ग्लव्ज और बैट पर पिंक ग्रिप चढ़ाकर मैदान में उतरे थे। पिछली बार टीम इंडिया ने सिडनी टेस्ट की पहली पारी 7 विकेट पर 622 रन बनाकर घोषित की थी। यह टेस्ट पिंक बॉल से नहीं, रेड बॉल से ही खेला जाता है। पिंक बॉल का इस्तेमाल सिर्फ डे-नाइट टेस्ट में होता है। हालांकि, पिंक टेस्ट में स्टंप से लेकर खिलाड़ियों के ग्लव्स, बैट ग्रिप, ब्रांड लोगो, होर्डिंग, कैप और दर्शकों का पहनावा सब कुछ पिंक-पिंक ही नजर आता है। दरअसल, पिंक टेस्ट का नाता ऑस्ट्रेलियाई लीजेंड ग्लेन मैक्ग्रा और उनकी पत्नी जेन से जुड़ा है। टेस्ट मैच के तीसरे दिन को जेन मैक्ग्रा डे के नाम से जाना जाता है। जेन का 2008 में ब्रेस्ट कैंसर की वजह से निधन हुआ था। इसके बाद ब्रेस्ट कैंसर के प्रति लोगों में जागरूकता के लिए सिडनी में पिंक टेस्ट कराया जाने लगा। यह ग्लेन मैक्ग्रा का होम ग्राउंड है।

इंग्लैंड में प्रीमियर लीग फुटबॉल में गोल रोकने का प्रयास करते हुए गोलकीपर सैम जोनस्टोन।

स्पेनिश फुटबॉल लीग में रीयाल मैड्रिड शीर्ष पर पहुंचा

बार्सिलोना। मार्को एसेनसियो और लुकास वाजक्वेज के गोल से रीयाल मैड्रिड ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में सेल्टा विगो को 2-0 से हरा दिया। इसी के साथ ही रीयाल अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है। रीयाल मैड्रिड के अब 17 मैचों में 36 अंक हो गये हैं और वह एटलेटिको मैड्रिड से एक अंक आगे हो गया है। वहीं एटलेटिको ने हालांकि रीयाल से तीन मैच कम खेले हैं। वह अलावेज के खिलाफ जीत से फिर से अंकतालिका में पहले स्थान पर पहुंच सकता है। वाजक्वेज ने खेल के छठे मिनट में एसेनसियो के क्रास पर गोल कर रीयाल को 1-0 से आगे कर दिया। वाजक्वेज ने बाद 53वें मिनट में फारवर्ड एसेनसियो ने एक गोल दागकर स्कोर 2-0 पहुंचा दिया।

रानी रामपाल की अगुवाई में महिला हॉकी टीम अर्जेंटीना रवाना

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रानी रामपाल की अगुवाई में भारतीय महिला हॉकी टीम रविवार को अर्जेंटीना के दौरे पर रवाना हो गई जहां टीम कोविड-19 महामारी के कारण लगभग एक साल के विश्राम के बाद अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। महामारी के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित नहीं की गयी और ऐसे में भारतीय टीम को बेंगलुरू में भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) केंद्र में अभ्यास करके ही काम चलाना पड़ा। भारतीय टीम को विश्व की नंबर दो टीम अर्जेंटीना के खिलाफ चार मैचों की श्रृंखला खेलनी है। ये मैच 26, 28, 30 और 31 जनवरी को खेले जाएंगे।

इससे पहले भारतीय टीम अर्जेंटीना की जूनियर टीम और बी टीम के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगी। रानी ने टीम की रवानगी से पहले कहा, फिर से दौरे पर जाना अच्छा लग रहा है। पिछले कुछ महीनों में हमने अपने खेल पर कड़ी मेहनत की है और अब समय आ गया है कि हम अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपने कौशल का प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा, इस समय अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलना थोड़ा भिन्न होगा क्योंकि हमें जैव सुरक्षित वातावरण में रहना होगा। टीम हालांकि मैदान पर लौटने को लेकर उत्साहित है। हॉकी इंडिया और अर्जेंटीना के हॉकी संघ ने दोनों टीमों के लिये जैव सुरक्षित वातावरण तैयार किया है। भारतीय टीम एक होटल में ठहरेगी जहां खाने, टीम बैठकों आदि के लिये अलग से कमरे-हॉल होंगे। पूरी टीम का रवानगी से 72 घंटे पहले कोविड-19 के लिए आरटी-पीसीआर परीक्षण किया गया। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति में कहा गया है कि अर्जेंटीना पहुंचने पर टीम को पृथकवास पर रहने की जरूरत नहीं पड़ेगी लेकिन वह तब भी भारत और अर्जेंटीना की सरकारों के सुरक्षा और स्वास्थ्य उपायों का पालन करेगी। भारतीय उप कप्तान और गोलकीपर सविता ने अर्जेंटीना दौरे की व्यवस्था करने के लिए हॉकी इंडिया और साइ का आभार व्यक्त किया। सविता ने कहा, हमें प्रतिस्पर्धी लय में लौटने की सख्त जरूरत है क्योंकि ओलंपिक में अब ज्यादा समय नहीं रह गया है। हम अभ्यास सत्र में अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे लेकिन किसी भी खिलाड़ी की अंतरराष्ट्रीय मैचों में असली परीक्षा होती है।

तलब कैग ने जुलाई 2017 में अंतिम रिपोर्ट में विभिन्न बैंकों को पूंजी दिये जाने के मामले में कमियों को रेखांकित किया था

कैग ने वित्त मंत्रालय से सार्वजनिक क्षेत्रों के बैंकों में पूंजी निवेश के बारे में प्रदर्शन ऑडिट का ब्योरा तलब किया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में निवेश को लेकर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने वित्त मंत्रालय को पत्र लिखकर बड़े स्तर पर पूंजी डालने के अभियान के संदर्भ में जारी प्रदर्शन ऑडिट को लेकर ब्योरा तलब किया है। सूत्रों ने कहा कि कैग 2016-17 के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में डाली गयी पूंजी के बारे में प्रदर्शन ऑडिट को देख रहा है और उसने वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग को पत्र लिखा है। पत्र में विभिन्न पीएसबी में पूंजी डालने के औचित्य समेत अन्य जानकारी मांगी गयी है। भारत सरकार ने 2017-18 में पीएसबी में 90,000 करोड़ रुपये की पूंजी डाली, जो

अगले साल बढ़कर 1.06 लाख करोड़ रुपये हो गई। पिछले वित्त वर्ष में बांड के जरिये 70,000 करोड़ रुपये की पूंजी डाली गई। चालू वित्त वर्ष के लिये सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में 20,000 करोड़ रुपये की पूंजी डालने की योजना बनाई है। इसमें से सरकार ने बासेल तीन दिशानिर्देशों के अंतर्गत नियामकीय जरूरतों को पूरा करने के लिये 2020 में 5,500 करोड़ रुपये पंजाब एंड सिंध बैंक में डाले। ऑडिट में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पूंजी डाले जाने के प्रभाव का विश्लेषण किया जा सकता है। साथ ही इसमें इस बात का भी आकलन किया जाएगा कि यह कदम किस प्रकार संपत्ति पर रिटर्न (आरओए), इक्विटी पर रिटर्न (आरओई) और कर्ज वृद्धि की दर जैसे वित्तीय मानदंडों में सुधार लाने में सफल रहा है। कैग ने जुलाई 2017 में अपनी अंतिम रिपोर्ट में विभिन्न बैंकों को पूंजी दिये जाने के मामले में कमियों को रेखांकित किया था। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने 2019 में एक लाख करोड़ रुपये जुटाने को लेकर भी संदेह जताया था। कैग ने कहा था, भारत सरकार का विभिन्न पीएसबी को पूंजी उपलब्ध कराये जाने को लेकर औचित्य किसी रिकार्ड में नहीं नजर आया। कुछ बैंक निर्धारित नियमों के तहत अतिरिक्त पूंजी पाने के लिये पात्र नहीं थे, लेकिन उन्हें राशि उपलब्ध कराई गई। एक बैंक को जरूरत से अधिक पूंजी दी गई। जबकि अन्य को पूंजी पर्याप्तता जरूरतों को पूरा करने के लिये जरूरी पूंजी प्राप्त नहीं हुई ब्ल्कि केंद्र ने 2008-09 से 2016-17 के दौरान 1,18,724 करोड़ रुपये की पूंजी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में डाला।

शेयर बाजार में एफपीआई एफपीआई ने लगातार तीसरे महीने की खरीदारी, दिसंबर में 62 हजार करोड़ रुपए का खरीदा शेयर

नईदिल्ली ■ एजेंसी

कोरोना वैक्सीन को लेकर पॉजिटिव अपडेट और तीसरी तिमाही में बेहतर नतीजे की उम्मीद से विदेशी निवेशकों ने दिसंबर में मार्केट में जमकर खरीदारी की। यह खरीदारी का लगातार तीसरा महीना है। विदेशी निवेशकों ने दिसंबर में कुल 68,558 करोड़ रुपए का निवेश किया। इसमें शेयर मार्केट में 62,016 करोड़ रुपए और डेट मार्केट में 6,542 करोड़ रुपए की खरीदारी शामिल है। नेशनल सिक्योरिटी डिपॉजिटरी लिमिटेडके मुताबिक एक महीने में शेयर मार्केट में खरीदारी का यह लेवल सर्वाधिक है। इससे पहले नवंबर में एफआईआई ने कुल 60,358 करोड़ रुपए की खरीदारी की थी। बता दें कि नवंबर में एफआईआई द्वारा इक्विटी और डेट मार्केट में कुल खरीदारी 62,951 करोड़ रुपए और अक्टूबर में 22,033 करोड़ रुपए की खरीदारी की थी। दूसरी ओर सितंबर में एफपीआई ने इक्विटी मार्केट में 7,783 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे।

मिडकैप और स्मॉल कैप पहली पसंद

ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म ग्रो के सीओओ और को-फाउंडर हर्ष जैन ने कहा कि विदेशी निवेशक कुछ बड़े शेयरों से पैसे निकालकर स्मॉल कैप और मिडकैप शेयरों में पैसा लगा रहे हैं। अबतक बाजार के बड़े शेयरों में अच्छा निवेश हुआ, जिसके चलते शेयरों की कीमत बढ़ी है। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड निवेश के शेयर बाजार ऑलटाइम हाई पर कारोबार कर रहा है। निवेश की बड़ी वजह कोरोना वैक्सीन को लेकर लगातार आ रही पॉजिटिव अपडेट है। क्योंकि इससे देश में आर्थिक गतिविधियों को मजबूती मिल रही है। ऐसे में उम्मीद है कि विदेशी निवेश का यह सिलसिला 2021 में भी जारी रहेगा।

दैनिक पुष्पांजली टुडे

एक नजर

विधायक डॉ. सिकरवार की पहल से हुरावली चौराहा से मोहनपुर तक होगा सड़क डामरीकरण का कार्य

ग्वालियर। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की समीक्षा बैठक गत् दिनों हुई बैठक में विधायक डॉ. सतीष सिंह सिकरवार ने हुरावली चौराहा से मोहनपुर तक सड़क डामरीकरण का मुद्दा उठाया था। इसमें केंटोमेंट बोर्ड ने आष्वसत किया कि सड़क डामरीकरण का कार्य जनवरी माह में पूरा कर दिया जायेगा। यह बता दे कि हुरावली चौराहा से मोहनपुर तक सड़क डामरीकरण की मांग जनता द्वारा काफी लम्बे समय से की जा रही थी। लेकिन सत्ताधारी नेताओं एवं अधिकारिओं की अनदेखी के कारण यह कार्य नही किया जा रहा था। लेकिन जब यह मांग जनता ने क्षेत्रीय विधायक डॉ. सतीष सिंह सिकरवार से की तो उन्होने इस सड़क डामरीकरण के निर्माण का मुद्दा जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की समीक्षा बैठक में उठाया और केंटोमेंट बोर्ड के अधिकारिओं द्वारा आष्वासन दिया गया कि जल्द ही सड़क निर्माण का कार्य षुरू कर दिया जायेगा। इस बैठक में सांसद विवेक षेजवलकर भी मौजूद थे, जिन्होने विधायक की मांग का समर्थन किया था।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए करेंगे कानून व्यवस्था एवं सर्वोच्च प्राथमिकता वाली योजनाओं की समीक्षा

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में 4 जनवरी को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग आयोजित होगी। इस दिन यह वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रात: 11 बजे रखी गई है। मुख्यमंत्री श्री चौहान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के समस्त संभाग आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, कलेक्टर्स एवं पुलिस अधीक्षक से संवाद करेंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में विगत 9 दिसम्बर को आयोजित कलेक्टर्स/कमिश्नर्स कॉन्फ्रेंस के कार्यवाही विवरण का पालन प्रतिवेदन पर चर्चा होगी। साथ ही कानून व्यवस्था, मनरेगा व अन्य रोजगारमूलक योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति, प्रधानमंत्री शहरी पथ-विक्रेता स्वनिधि योजना व मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ-विक्रेता योजना, नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता सर्वेक्षण-2021 की तैयारियाँ, गौ-शालाओं का संचालन व प्रबंधन, अवैध उत्खनन की रोकथाम, स्व-सहायता समूहों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये बैंक लिंकेज, मार्केट लिंकेज एवं उनके माध्यम से किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की जायेगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में संबंधित अधिकारियों को उपस्थित रहने एवं कोविड-19 संबंधी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये हैं।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान 17 से 19 जनवरी तक

ग्वालियर। ग्वालियर सहित प्रदेश के सभी जिलों में 17 से 19 जनवरी तक राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान चलाया जायेगा। अभियान के तहत जन्म से पांच वर्ष तक के सभी बच्चो को सूचीबद्व कर ÷दो बूंद जिंदगी की÷ यानि पल्स पोलियो खुराक दी जाएगी। इस अभियान की सूक्ष्म कार्ययोजना निर्माण, प्रशिक्षण, अंतर्विभागीय समन्वय, जिला टास्क फोर्स की बैठक, वृहत प्रचार-प्रसार, प्रिन्टिंग, कोल्ड चैन प्लान, फ्रीजिंग प्लान एवं अभियान के लिए अन्य गतिविधियों के सफल संचालन के लिए समय-सीमा तथा अधिकारी, कर्मचारियों की जबावदेही का निर्धारण किया गया है।

पीएससी परीक्षाओं में सफल होने वाले अजा एवं अजजा विद्यार्थियों को मिलती है प्रोत्साहन राशि

ग्वालियर। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली परीक्षाओं में सफल होने पर प्रदेश सरकार द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। सरकार द्वारा जनजाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के माध्यम से संचालित इस योजना के तहत मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 20 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों द्वारा दूसरी बार प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने पर 10 हजार रूपए की प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान है। प्रोत्साहन राशि प्राप्त करने के लिये प्रारंभिक परीक्षाफल की प्रति, जाति, मूल निवासी व आय प्रमाण-पत्र, आईएफएससी. कोड सहित बैंक पासबुक की छायाप्रति, आधार कार्ड की छायाप्रति, पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो तथा हायर सेकेण्डरी या स्नातक उत्तीर्ण की अंक सूची की छायाप्रति इत्यादि दस्तावेज प्रस्तुत करने आवश्यक है। नौकरी में रहते हुये आवेदकों को प्रोत्साहन राशि नहीं दी जाती है।

दिव्यांग शासकीय सेवको को मिलेगी वृत्तिकर में छूट

ग्वालियर। विभिन्न विभागों में पदस्थ दिव्यांग शासकीय सेवकों को सरकार द्वारा वृत्तिकर में छूट दी जायेगी। सामाजिक न्याय एवं नि:शक्तजन कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश शासन के वाणिज्यकर विभाग द्वारा वृत्तिकर अधिनियम 1995 अन्तर्गत 19 नवम्बर 2020 को अधिसूचना जारी कर दिव्यांग अधिकारियों एवं कर्मचारियों को वृत्तिकर से छूट प्रदान की गई है। ऐसे दिव्यांग अधिकारी एवं कर्मचारी जो वृत्तिकर से छूट लेना चाहते हैं वह अपने कार्यालय प्रमुख के माध्यम से आवेदन पत्र संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय एवं नि:शक्तजन कार्यालय में जमा कर वृत्तिकर से छूट संबंधी प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकते है।

पिछड़ा वर्ग के जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिये छात्रावास की सुविधा

ग्वालियर। पिछड़ा वर्ग के जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिये प्रदेश सरकार द्वारा छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश के 51 जिलों में 100 सीटर पिछड़ा वर्ग बालक एवं 50 सीटर कन्या छात्रावास संचालित हैं। इन छात्रावासों का संचालन पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा किया जा रहा है। **विदेश में पढ़ाई करने के इच्छुक 40 विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता मंजूर**-विदेश में उच्च स्तर की पढ़ाई करने के इच्छुक पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिये विभाग द्वारा आर्थिक सहायता भी दी जाती है। इस वर्ष अब तक करीब 10 करोड़ 50 लाख रुपये की राशि 40 विद्यार्थियों को विदेश अध्ययन छात्रवृत्ति के रूप में मंजूर की गई है।

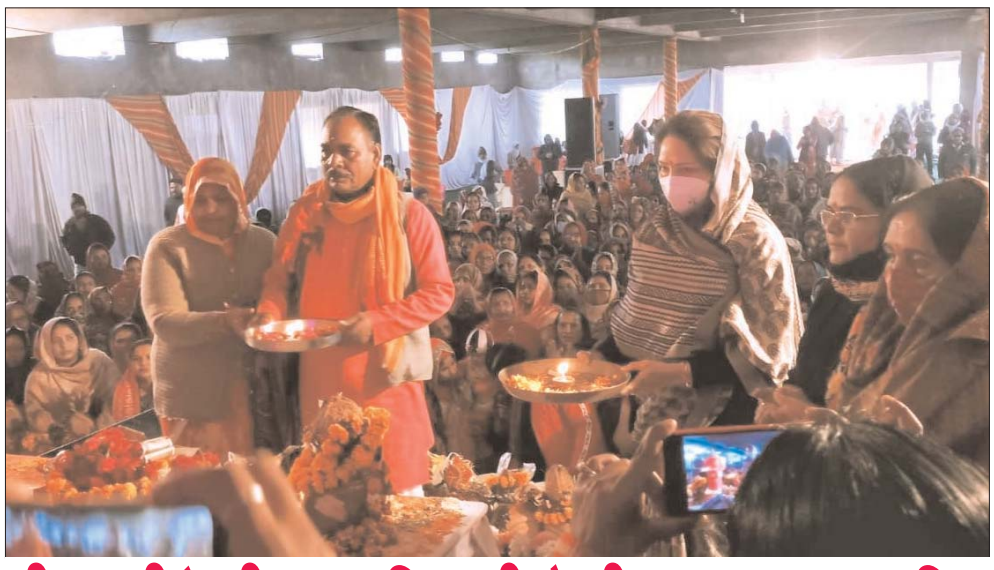

जीवन जीने की कला सिखाती है श्रीरामकथा : माया सिंह

ग्वालियर। ददरौआ धाम भक्त मण्डल द्वारा ददरौआ धाम में चल रही नौ दिवसीय श्रीराम यज्ञ श्रीराम कथा का आज समापन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री श्रीमती माया सिंह एवं पूर्व मंत्री ध्यानेन्द्र सिंह उपस्थित हुये। श्रीराम कथा में शामिल होने के लिये आयी माया सिंह ने कहा, कि श्रीराम कथा लोगों को जीवन जीने की कला सिखाती है। दुर्लभ मानव शरीर पाने के बाद जीवन जीने के लिये लोगों को श्रीराम कथा से जुड़ने की आवष्यकता है। गीता, योग का ग्रंथ है और श्रीमद्भागवत वियोग का ग्रंथ है, लेकिन श्रीरामचरितमानस जीवन में प्रयोग का ग्रंथ है। इस तरह के आयोजन हमें प्रेरणा देते हैं वही कथा वाचक श्री सच्चिदानंद जी महाराज ने अंतिम दिवस श्रीराम चन्द्र जी के राजतिलक की कथा सुनाई वही पूर्व मंत्री माया सिंह ने भगवान श्रीराम का राजतिलक कर आर्षीवाद प्राप्त किया और श्रीमती अंजू शर्मा के द्वारा श्रीमती माया सिंह के हाथों भक्त मण्डली को शॉल श्रीफल से सम्मानित कराया गया। कार्यक्रम के व्यवस्थापक पं कृष्णकान्त तिवारी ने नौदिवसीय श्रीराम कथा एवं श्री रामयज्ञ के समस्त सदस्यों का श्रीफल से सम्मान व आभार व्यक्त किया। इस दौरान मण्डल अध्यक्ष रामप्रकाष परमार, पारीक्षित श्रीसुरेष चन्द्र गोस्वामी, समाजसेवी अमित खेमरिया, पूर्व पार्षद जबर सिंह, रेखा त्रिपाठी, व्यंजना मिश्रा, समाजसेवी संजीव रजक, समाजसेवी एवं उप पारीक्षित गौरव योगी, ददरौआ भक्त मण्डल के अध्यक्ष अंकुर श्रीवास, युवा समाजसेवी आकाष कौरव, पंकज केन, नरसिम्हा केन, गिर्राज वर्मा, अभिषेक वर्मा, कोलू गुर्जर, रामू वर्मा एवं हजारों की संख्या में भक्त मण्डल व व्यवस्था टीम उपस्थित रही।

ग्वालियर जिले में भी मनेंगे अन्न उत्सवः हर पात्र परिवार को दिलाया जायेगा राशन

कलेक्टर श्री सिंह ने हर उचित मूल्य की दुकान के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त करने के दिए निर्देश

ग्वालियर। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत जिले में संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकानों से हर पात्र परिवार को राशन मुहैया कराने के मकसद से ग्वालियर जिले में भी हर माह अन्न उत्सव का आयोजन किया जायेगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने गत 9 दिसम्बर को आयोजित हुई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में अन्न उत्सव आयोजित करने के निर्देश दिए थे। इस परिपालन में कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जिले के सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों को सुव्यवस्थित ढंग से ÷अन्न उत्सव÷ आयोजित करने के लिये हर उचित मूल्य की दुकान के हिसाब से नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही अन्न उत्सव की तिथियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को भी कहा है। राज्य शासन के दिशा-निर्देशों के तहत हर माह प्रत्येक उचित मूल्य की दुकान पर एक दिन अन्न उत्सव मनाया जायेगा। उचित मूल्य की दुकानें पूर्व निर्देशों के अनुसार निर्धारित दिनों में भी खुली रहेंगीं और पात्र राशनकार्ड धारियों को अन्य दिनों की तरह राशन लेने की पात्रता रहेगी। हर माह 4 तारीख के बाद लगने वाले पहले हाट बाजार के दिन अन्न उत्सव का आयोजन किया जायेगा। जिन गाँवों में हाट बाजार नहीं लगते हैं उन गाँवों में उचित मूल्य की दुकानों में माह की 7 तारीख को अन्न उत्सव आयोजित होंगे। यदि एक सेल्समैन द्वारा एक से अधिक दुकानों का संचालन किया जाता है तो ऐसे स्थानों के लिये 9 तारीख की तिथि अन्न उत्सव के लिये निर्धारित की गई है। अपरिहार्य स्थिति में 10 तारीख के पूर्व किसी अन्य तिथि को भी अन्न उत्सव का आयोजन किया जा सकेगा। अन्न उत्सव की तिथियों की जानकारी उचित मूल्य की दुकान एवं ग्राम पंचायत भवन पर प्रदर्शित करने के निर्देश भी कलेक्टर ने दिए हैं। **निगरानी समिति एवं जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में होगा अन्न उत्सव का आयोजन** -कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने निर्देश दिए हैं कि अन्न उत्सव का आयोजन उचित मूल्य दुकान की निगरानी समिति के अध्यक्ष व सदस्य सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में किया जाए। इसके लिये उन्हें विधिवत आमंत्रित करें। साथ ही संबंधित नोडल अधिकारी भी इस अवसर पर मौजूद रहें। अन्न उत्सव के दिन उचित मूल्य की दुकान अनिवार्यत: पूरे दिन खुली रहें। उचित मूल्य की दुकान नोडल अधिकारी की मौजूदगी में खोली जाए और उनके स्टॉक पंजी पर हस्ताक्षर भी हों।

स्ट्रीट वैण्डर योजना में एक ही दिन में सभी कार्यवाही पूर्ण कराकर हितग्राही को ऋण राशि दे

कलेक्टर ने योजनाओं की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

दतिया। कलेक्टर श्री संजय कुमार ने राज्य शासन की प्राथमिकता वाले कार्यक्रमों एवं अभियानों की विभागवार समीक्षा करते हुए एनआरएलएम के संबंधित अधिकारी एवं बैंकर्स को निर्देश दिए कि स्ट्रीट वैण्ड्र योजना के तहत् ऐसे प्रयास किए जावे कि हितग्राहियों को एक ही दिन में उनके आवेदन पत्रों की जांच पड़ताल कर प्रकरणों में स्वीकृति एवं वितरण की कार्यवाही करें। जिससे हितग्राहियों को अनावश्यक रूप से ऋण प्राप्त करने हेतु वार-वार बैंक की शाखाओं में न आना पड़े।

कलेक्टर श्री कुमार ने उक्ताश्य के निर्देश न्यू कलेक्ट्रेट के सभकक्ष में शनिवार को विभिन्न विभागों की अधिकारियों की समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर सहित, अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक तथा संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित थे। कलेक्टर श्री कुमार ने बैठक में एक जिला एक उत्पाद योजना की समीक्षा करते हुए कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश

दिए कि जिले के कृषक जैविक गुड बना रहे है। इस गुड को और बेहतर तरीके से बना सकें इसके लिए गन्ना अनुसंधान केन्द्र एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के माध्यम से किसानों को प्रशिक्षण प्रदाय किया जावे। जिससे जिले के गुड उत्पादकों को बेहतर मार्केट मिल सके। उन्होंने राज्य शासन की मंशा के अनुरूप नगरीय क्षेत्रों में संचालित होने वाले स्वच्छता सर्वेक्षण 2021 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण को निर्देश दिए कि जिले के सभी नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता सर्वेक्षण का कार्य पूरे मापदंड़ो के अनुरूप हो। कलेक्टर ने चार जनवरी को आयोजित होने वाले कलेक्टर एवं कमिश्नर कांन्फ्रेस की विभागवार जिले में की तैयारियों की समीक्षा भी की। कलेक्टर श्री कुमार ने बैठक में रोजगार मूलक योजनाओं, मनरेगा, स्वसहायता समूहों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए बैंक लिंकेज, प्रधानमंत्री शहरी पथ स्वनिधि योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना, लोक सम्पतियों का प्रभावी प्रबंधन की भी समीक्षा की। उन्होंने जिले में गैशालाओं एवं प्रबंधन, अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्ड़ारण की रोकथाम, जिले में कानून व्यवस्था स्थिति की समीक्षा की। श्री कुमार ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, खरीफ 2020-21 में उपार्जन की समीक्षा, भण्ड़ारण की व्यवस्था पर भी चर्चा की। उन्होंने मिलावट से मुक्ति अभियान, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना, नवीन पात्रता पर्ची धारी हितग्राहियों को खाद्यान वितरण, अन्न उत्सव, आत्म निर्भर मध्यप्रदेश का निर्माण, आयुष्मान भारत कार्यक्रम, मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान, भू-माफियाओं के विरूद्ध कार्यवाही की भी समीक्षा।

रोजगार मेला का आयोजन आज

दतिया। जिले की जनपद पंचायत दतिया, सेवढ़ा एवं भाण्ड़ेर में रोजगार मेला का आयोजन आज 4 जनवरी से 9 जनवरी 2021 तक शासन द्वारा जारी कोविड-19 के सुरक्षा निर्देशों का पालन करते हुए किये जायेंगे। जिसमें एसआईएस संस्था नीमच द्वारा सुरक्षा गार्ड के लिए पंजीयन किए जायेंगे। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले रोजगार मेला का आयोजन 4 जनवरी 2021 को जनपद पंचायत सेवढ़ा में 5 जनवरी को नगर पंचायत इन्दरगढ़ में, 6 जनवरी को जनपद पंचायत भाण्ड़ेर में, 7 जनवरी ग्राम पंचायत सालोन बी में, 8 जनवरी को बड़ौनी में और 9 जनवरी 2020 को जनपद पंचायत दतिया में प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक किया जायेगा।

5 जनवरी तक चलेगी महाविद्यालयों में ऑनलाईन प्रवेश प्रक्रिया

ग्वालियर। स्नातक प्रथम वर्ष एवं स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर के पाठ्यक्रमों में छठवें चरण की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया जारी है। गत 30 दिसंबर से शुरू हुई यह प्रक्रिया 5 जनवरी 2021 तक जारी रहेगी। महाविद्यालय, पाठ्यक्रम एवं विषय समूह का निर्धारित प्रारूप में पृथक-पृथक महाविद्यालय में विकल्प 4 जनवरी को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक दिया जा सकेगा। महाविद्यालय द्वारा सीएलसी चरण की मेरिट सूची 4 जनवरी को अपराहन 3 बजे जारी की जाएगी। आवंटित महाविद्यालयों में पोर्टल के माध्यम से डिजिटल ऑनलाइन शुल्क का भुगतान 4 एवं 5 जनवरी को किया जा सकेगा। ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया से मुक्त महाविद्यालय एवं संस्थान द्वारा प्रवेश प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की पोर्टल पर ऑनलाइन रिपोर्टिंग 5 जनवरी 2021 तक की जाएगी। **राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए समय-सारिणी**-राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के पाठ्यक्रमों बीएड, एमएड, बीपीएड एवं बीएडएमएड एकीकृत 3 वर्षीय तथा बीएबीएड, बीएससी, बीएड में प्रवेश के लिए ऑनलाइन काउंसलिंग का चतुर्थ अतिरिक्त चरण 12 जनवरी 2021 तक आयोजित किया गया है। अपर आयुक्त उच्च शिक्षा श्री चंद्रशेखर वालिम्बे ने बताया कि नवीन पंजीयन 3 जनवरी 2021 तक होंगे। ऐसे आवेदक जो पूर्व में प्रवेश के लिए पंजीयन नहीं करा सके हैं वह पंजीयन कर अतिरिक्त चरण में रिक्त स्थानों पर प्रवेश के लिए गुणानुक्रम अनुसार पात्र होंगे। चतुर्थ अतिरिक्त चरण में आवंटन हेतु पंजीकृत अप्रवेशित एवं नवीन पंजीकृत आवेदकों से पुनरू शिक्षण संस्थाओं का चयन एवं वरीयता प्राप्त करने की तिथि 4 जनवरी 2021 तक होगी।

कोरोना इलाज की व्यवस्थाएं यथावत जारी

ग्वालियर। प्रदेश में कोरोना संक्रमितों के किए उपचार के लिए की गई सभी व्यवस्थाएं पहले की तरह चल रही हैं। केवल ऐसे कोविड केयर सेंटर सशर्त बंद रखे जाने का निर्णय लिया गया है, जो पूरी तरह खाली हो गए हैं और वहाँ नए मरीज नहीं पहुँच रहे हैं। संयुक्त संचालक स्वास्थ्य एवं प्रदेश की कोविड-19 की व्यवस्थाओं की नोडल अधिकारी डॉ. वीणा सिन्हा ने बताया कि बिना लक्षण और मामूली से मामूली लक्षणों वाले कोरोना पाजीटिव की देखरेख के लिए बनाए गए कोविड केयर सेंटर में पहुंचने वालों की संख्या न के बराबर होने से यह सेंटर लगभग खाली हो गए। ऐसे कोविड केयर सेंटर चालू रखने का अब कोई ओचित्य नहीं रह गया है। इस बात को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि भोपाल स्थित कोविड-केयर सेंटर को छोड़कर राज्य के अन्य जिलों में बनाए गए कोविड-केयर सेंटर को इस शर्त के साथ बंद किया जाए कि जब इनकी जरूरत हो तब जिला कलेक्टर राज्य स्तर से अनुमति लेकर इन सेंटर को फिर से चालू कर सकें।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निगम हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478